हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026

SHOWROOMS: CHHATTISGARH: RENAULT **RAIPUR** Ph: 7290017983. RENAULT **AMBIKAPUR** Ph: 8448989107. RENAULT **BILASPUR** Ph: 8448989103. RENAULT **BHILAI** Ph: 7290017807. RENAULT **JAGDALPUR** Ph: 7428297117. RENAULT **KORBA** Ph: 9319184879. RENAULT **RAJNANDGAON** Ph: 7428438931.

भूख हड़ताल के 17 वें दिन

8.5 किलो वजन घटा कॉकरोच पार्टी बोली- सरकार बेपरवाह

वांगचुक का अनशन, समर्थन में उतरे कई फिल्मस्टार, राजनेता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा अनियमितताओं के कारण जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन लगातार जारी है। मंगलवार को इस प्रदर्शन का 25वां दिन रहा, जबकि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 17वें दिन भी जारी है। कई नेताओं-राजनेताओं ने उन्हें समर्थन दिया है, अनशन खत्म करने की अपील की है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे सहित कई मांगों को लेकर चल रहा है आंदोलन

20 जुलाई को 'चलो संसद' मार्च की तैयारी : 20 जून से शुरू हुए इस आंदोलन को धार देने के लिए संगठन ने आगामी 20 जुलाई को, यानी संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 'चलो संसद' मार्च का आह्वान किया है। सीजेपी ने इस मार्च के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं और समर्थकों को जोड़ने के लिए एक 'मिस्ड कॉल' अभियान की शुरुआत की है, जिसके जरिए लोग पंजीकरण करा रहे हैं।

सरकार की पहल के बिना नहीं खत्म करेंगे अनशन वांगचुक

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 'एक्स' पर लिखा: 'वांगचुक ने साफ कर दिया है कि जब तक सरकार बातचीत की पहल नहीं करती, वह अनशन खत्म नहीं करेंगे। सीजेपी द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, भूख हड़ताल के कारण सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट आ रही है। अनशन शुरू करने के बाद से उनका वजन 8.5 किलोग्राम कम हो चुका है और उनका ब्लड प्रेशर 109/70 मिमी एचजी दर्ज किया गया है।

नेताओं-फिल्मी हस्तियों की प्रतिक्रिया

लेखिका अरुंधति रॉय, एक्टर नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह और अर्थशास्त्री जयति घोष ने भी जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया। उन्होंने कहा कि वो सोनम वांगचुक और उनके साथियों के संघर्ष को सलाम करते हैं, लेकिन उन्होंने वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई लंबी है और देश को आगे भी उनके नेतृत्व की जरूरत है।

एक्टर अभय देओल ने भी सोशल मीडिया पर सोनम वांगचुक की तस्वीर शेयर कर उन्हें अपना समर्थन दिया। उनके पोस्ट पर कई लोगों ने भी वांगचुक के लिए चिंता जताई।

'3 इडियट्स' फिल्म में चतुर रामलिंगम का किरदार निभाने वाले ओमी वैद्य ने भी वीडियो जारी कर लोगों से सोनम वांगचुक का साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा- मैं नहीं चाहता फुंसुक वांगड़ू मर जाए. मेरे लिए वह एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं। मैं चाहता हूं कि वह सुरक्षित रहें और जिंदा रहें।

जीनत अमान ने कहा- मैं भारत सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील करती हूं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए, जो चुपचाप बैठकर अपने सबसे अच्छे दिमागों में से एक को बलिदान होते देखता रहे।

सपा चीफ अखिलेश यादव- जिस भाजपा सरकार को वह अपने आमरण अनशन से जगाने की कोशिश कर रहे हैं, वह सिद्धांतहीन और भ्रष्ट व्यवस्था बन चुकी है। इतनी निर्मम सरकार के लिए किसी का भी बलिदान मायने नहीं रखता।

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल- मैं 16 जुलाई शाम 5 बजे जंतर-मंतर जाकर सोनम वांगचुक और सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करूंगा और अपना समर्थन दूंगा।

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा- आपके उपवास ने युवाओं को एकजुट कर दिया है। सरकार को आपके या करोड़ों युवाओं के जीवन की परवाह नहीं है। आपका जीवन हमारे लिए मायने रखता है।

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे- हम, शिवसेना की ओर से सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के आंदोलन को सपोर्ट देते हैं। दीपके से फोन पर बात कर सोनम से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की है।

खबर संक्षेप

तसलीमा 20 साल बाद आएंगी पश्चिम बंगाल

कोलकाता। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन करीब 20 साल बाद कोलकाता लौट रही हैं। वे 1 अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में कट्टरपंथ-विरोधी एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम में कवि और लेखक शिरकत कर रहे हैं। तसलीमा ने स्वयं सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की है। 2007 में तसलीमा नसरीन को शहर छोड़ना पड़ा था। तत्कालीन वामपंथी सरकार के दौरान तसलीमा के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

आसाराम ने लगाई जमानत की गुहार

नई दिल्ली। नाबालिग से रेप के मामले में दोषी आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है और मेडिकल आधार पर जमानत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट 17 जुलाई को इस मामले की सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की मेडिकल आधार पर दायर जमानत याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग स्वीकार करते हुए मामले को 17 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। इससे पहले उन्हें इलाज के लिए मेडिकल आधार पर पहले भी जमानत मिली है और इलाज के बाद उन्हें दोबारा जेल में भर्ती किया गया।

धार भोजशाला केस में सुप्रीम कोर्ट ने दिया अंतरिम आदेश

नमाज के लिए मुस्लिम पक्ष को मिलेगी जगह लेकिन हाईकोर्ट के फैसले पर रोक से इंकार

धार भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने अहम अंतरिम आदेश देते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि अदालत ने मुस्लिम पक्ष को राहत देते हुए निर्देश दिया कि हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक परिसर के नजदीक नमाज के लिए एक उपयुक्त खुली जगह उपलब्ध कराई जाए। साथ ही कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को इमारत की मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

भोजशाला परिसर के नजदीक नमाज के लिए एक जगह उपलब्ध कराने कहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 15 मई को अपना फैसला सुनाया कि विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर है। साथ ही कोर्ट ने एएसआई के दशकों पुराने उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें मुस्लिम समुदाय को इस जगह पर शुक्रवार की नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और भोजशाल परिसर में नमाज पढ़ने की मंजूरी मांग थी, जिसे कोर्ट ने फिलहाल ठुकरा दिया है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि सभी पक्षों की सुविधा के अनुसार जल्द सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले का जल्द निपटारा करने की कोशिश की जाएगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि अदालत में कही गई बातों का बाहर गलत अर्थ निकाला जा सकता है, इसलिए सभी को जिम्मेदारी के साथ अपनी दलीलें रखनी चाहिए। समाज में कोई गलत संदेश न जाए।

मुस्लिम पक्ष बोला- बिना मौका दिए बदल दी गई व्यवस्था

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी ने दलील दी कि हाईकोर्ट के आदेश से पहले की व्यवस्था अचानक बदल दी गई और उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील का अवसर तक नहीं मिला। उनका कहना था कि उन्हें धार्मिक गतिविधियों से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है और हाईकोर्ट को अपने आदेश पर कुछ समय के लिए रोक लगानी चाहिए थी।

सॉलिसिटर जनरल बोले- दो महीने में हालात बदल चुके हैं

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश को दो महीने हो चुके हैं और इस दौरान प्रशासन ने उसके अनुरूप कदम उठाए हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि वर्तमान में वहां शांति बनी हुई है और इस स्तर पर व्यवस्था में बदलाव उचित नहीं होगा।

ज्ञानवापी विवाद : दोनों पक्षों ने कहा सिर्फ अदालत का फैसला मानेंगे

वाराणसी के ज्ञानवापी और श्रृंगार गौरी विवाद में मध्यस्थता के जरिए समाधान निकालने की सुप्रीम कोर्ट की पहल को बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को वाराणसी के मध्यस्थता केंद्र में हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्ष पहुंचे, लेकिन बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। दोनों पक्षों ने स्पष्ट कर दिया कि वे इस मामले का समाधान मध्यस्थता के बजाय अदालत के फैसले से चाहते हैं। यह बैठक सुप्रीम कोर्ट की 'सुप्रीम कोर्ट एक्शन फॉर मेडिएटेड एडजुडिकेशन एंड डिस्प्यूट्स हार्मोनाइजेशन अक्रॉस नेशन' पहल के तहत आयोजित की गई थी। इस पहल का उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी सहमति से समाधान निकालने की संभावना तलाशना है। इसी क्रम में 21 से 23 अगस्त तक प्रस्तावित विशेष लोक अदालत से पहले पक्षकारों को मध्यस्थता केंद्र बुलाया गया था।

यह है मामला

ज्ञानवापी विवाद लंबे समय से अदालत में विचाराधीन है। यह विवाद वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की धार्मिक प्रकृति को लेकर है। हिंदू पक्ष का दावा है कि मुगल काल में मंदिर को तोड़कर वहां मस्जिद बनाई गई थी। वहीं मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह वैध वक्फ संपत्ति है और हिंदू पक्ष के दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा अदालत को हल्के में लिया

कॉमेडियन रैना पर 3 लाख का जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना को उनके शो इंडियाज गॉट लैटेंट के पुराने मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कॉमेडियन अदालत के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके बाद अदालत ने समय रैना पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा इस मामले में पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और युट्यूबर आशीष चंचलानी पर भी जुर्माना लगाया गया है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समय ने अदालत को गुमराह किया है। बता दें कि समय रैना ने अपने शो पर दिव्यांग लोगों का मजाक उड़ाया था।

यह कहा था कोर्ट ने : कोर्ट ने समय को आदेश दिया था कि वो अपने शो में दिव्यांगों को इनवाइट करें। वहीं समय के साथ अन्य लोगों को निर्देश देते हुए कोर्ट ने कहा था कि वे दिव्यांग लोगों के इलाज के लिए बनाए गए फंड की मदद करते हुए हर महीने दो इवेंट कम से कम आयोजित करें. हालांकि समय और बाकी लोगों की तरफ से ऐसा कुछ नहीं किया गया।

चारा घोटाला केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

लालू को राहत, जमानत रद्द करने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द करने और सजा पर लगी रोक हटाने से इंकार कर दिया है। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव की जमानत रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने इस मांग को खारिज करते हुए हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में सजा के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई जल्द पूरी करे।

यह है मामला

दरअसल, लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों को चारा घोटाला मामले में साल 2018 में दोषी करार दिया गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी सजा के खिलाफ अदालत में अपील दायर की थी, लेकिन यह अपील अब तक हाईकोर्ट में लंबित है। मामले की सुनवाई पूरी न होने के चलते कोर्ट ने साल 2021 में लालू यादव को जमानत दे दी थी।

ट्विशा केस आरोपियों की बढ़ाई गई रिमांड

गिरिबाला-समर्थ ने किया वॉयस सैंपल देने से इंकार

एजेंसी ▶▶| भोपाल

एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को भोपाल जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों- गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल नहीं दिया है। भोपाल एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है।

वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील विनोद जॉर्ज करलो ने कहा कि उनके मुवक्किलों ने कभी भी वॉयस सैंपल देने से इंकार नहीं किया है। उनकी आपत्ति केवल प्रक्रिया को लेकर है। सैंपल के

लिए दी जाने वाली ट्रांसक्रिप्ट पहले रिकॉर्ड की गई ट्रांसक्रिप्ट से अलग होनी चाहिए, ताकि सैंपलिंग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। इसके बाद सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ाने की मांग की, इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट अलग से नहीं देंगे : एम्स

सुनवाई के दौरान ट्विशा पक्ष के वकील शुभांग दीक्षित ने बताया कि 6 जुलाई को सीबीआई आरोपियों के सैंपल लेने पहुंची थी। समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने से साफ इंकार कर दिया जबकि गिरिबाला सिंह ने एक बार सैंपल दिया लेकिन दोबारा सैंपल नहीं दिया। कोर्ट में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई।

12 मई को हुई थी ट्विशा की मौत

ट्विशा शर्मा 12 मई 2026 की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद हाईकोर्ट ने दिल्ली एम्स से दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने के निर्देश दिए थे। अब इसी रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई अपनी जांच आगे बढ़ा रही है।

राम मंदिर सीईओ पूर्व आईपीएस ठाकुर ने किया आवेदन

अयोध्या। अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने आवेदन किया है। उनके आवेदन के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है। ट्रस्ट पहले ही देशभर के योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित कर चुका है। चयन प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। राम मंदिर ट्रस्ट में हाल ही में सामने आए चढ़ावा चोरी विवाद के बाद प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में नए सीईओ की नियुक्ति का फैसला लिया गया। ट्रस्ट का मानना है कि नई नियुक्ति के जरिए मंदिर प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया जाएगा।

मुनीर की सेना ने पीओके में मचाया उत्पात

आम लोगों पर बरसाईं गोलियां, 6 की गई जान

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आम लोगों पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को आसिम मुनीर की सेना और सुरक्षा बलों ने बिना किसी कारण के आम लोगों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें कम से कम 6 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है और स्थिति बेकाबू होती जा रही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह-सुबह पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने रावलकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल क्षेत्र और सुधनोती जिले के बलोच इलाके में निहत्थे नागरिकों पर बल प्रयोग किया। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में भगदड़ मच गई और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में मटियाल मीरा बस टर्मिनल के पास वाजिद हयात शामिल हैं। वहीं बलोच (सुधनोती) क्षेत्र में जाहिद मुगल, जफर मुगल, अर्सलान अकबर समेत अन्य नागरिकों की मौत हुई है। वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है।

भारत ने की पाक की आलोचना

वहीं, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में पीओके में चल रहे प्रदर्शनों और हिंसा की निंदा करते हुए इसे पाकिस्तान के 'सिस्टेमैटिक शोषण' का परिणाम बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान के दशकों पुराने सिस्टेमैटिक शोषण, मौलिक अधिकारों से इंकार और गैर-कानूनी कब्जे वाले क्षेत्रों में प्रशासनिक जुल्म का सीधा नतीजा हैं। विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह पाकिस्तान को आम लोगों पर अत्याचार के लिए जवाबदेह ठहराए।

सीबीएसई के तीन-भाषा नियम पर सुप्रीम कोर्ट का रोक से इंकार

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार, एनसीईआरटी और सीबीएसई से उन दो नई याचिकाओं पर जवाब मांगा, जिनमें कक्षा नौवीं के छात्रों के लिए दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य करने संबंधी नीति को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने सीबीएसई की तीन भाषाओं की पॉलिसी पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है। साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद ग्रोवर और गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया। अमनदीप कौर और अर्पण रॉय चौधरी ने नयी याचिकाएं दायर की हैं। उन्होंने केंद्र, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को इस मामले में पक्षकार बनाया है।

तुरंत रोक लगाने से इंकार

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की इस नीति पर तत्काल रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया है। अदालत का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत लाई गई इस व्यवस्था पर विस्तृत सुनवाई पूरी होने के बाद ही रोक लगाने या न लगाने का कोई आदेश दिया जा सकता है हालांकि, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह जरूर कहा कि कोई भी नई भाषा सीखना कभी व्यर्थ नहीं जाता है।

कोर्ट ने मांगी थी रिपोर्ट

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से तीन-भाषा नीति लागू करने के लिए सीबीएसई की तैयारियों और व्यवस्थागत क्षमता पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। याचिकाकर्ता यशिका भंडारी जैन और अन्य की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि सीबीएसई ने देशभर के लिए एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि अगले शैक्षणिक सत्र से छात्रों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा।

क्या है तीन भाषा पॉलिसी

सीबीएसई के जारी परिपत्र के अनुसार, एक जुलाई से कक्षा नौवीं के छात्रों के लिए कम से कम दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य कर दिया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) 2023 के अनुरूप सीबीएसई की अध्ययन योजना को समायोजित करने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

वैष्णोदेवी में 500 करोड़ की नकली चांदी का चढ़ावा, जांच अधिकारी को किया तलब

एजेंसी ▶▶| जम्मू

श्री माता वैष्णो देवी मंदिर से जुड़े करीब 500 करोड़ रुपए के नकली चांदी चढ़ावे के मामले में कोर्ट ने क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी को संबंधित रिकॉर्ड के साथ तलब किया गया है। जम्मू के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत ने यह निर्देश दिए। अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी। बीते नौ मई को एडवोकेट दीपक शर्मा ने आईजी क्राइम ब्रांच जम्मू और एसएसपी क्राइम ब्रांच ईओडब्ल्यू जम्मू के समक्ष शिकायत की थी।

इसमें माता वैष्णो देवी श्राइन में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए चांदी के चढ़ावे में मिलावट और गलत इस्तेमाल की एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। क्राइम ब्रांच की असरदार कार्रवाई न होने पर शिकायतकर्ता ने जम्मू के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट मुनीश कुमार मिन्हास की अदालत में एटीआर और एफआईआर दर्ज करने के निर्देश मांगे। कोर्ट के निर्देश पर क्राइम ब्रांच ने एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की।

शिकायतकर्ता की आपत्तियां

शिकायतकर्ता ने सोमवार को इस स्टेटस रिपोर्ट पर आपत्तियां दर्ज कीं। तर्क दिया गया कि क्राइम ब्रांच को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अनुसार शिकायत से कानूनी तौर पर निपटना था। शिकायत को किसी दूसरी पुलिस अथॉरिटी को फॉरवर्ड करके वह अपनी कानूनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती थी।

क्या है मामला

विवाद तब शुरू हुआ, जब करीब 20 टन जमा हुई चांदी का करीब 550 करोड़ रुपये कीमत का चढ़ावा टेस्टिंग, मेल्टिंग और प्रोसेसिंग के लिए भेजा गया। इसमें लगभग पांच से छह फीसदी मटीरियल ही असली चांदी पाया गया। बाकी में कैडमियम, लोहा और दूसरे घटिया मेटल की मिलावट सामने आई।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

खैर लकड़ी की प्रति क्विंटल कीमत 45 सौ से 8000 रुपए है

बहुपयोगी है खैर लकड़ी

खैर की लकड़ी कत्था बनाने के काम आने के साथ औषधि बनाने के काम आती है। इसके साथ ही इस लकड़ी का कई अन्य तरह का उपयोग किया जाता है। खैर के तने को उबालकर कत्था निकाला जाता है। इसके साथ, पुराने पेड़ों की छाल में से सफेद रवेदार पदार्थ निकलता है जिसे 'खैरसाल' कहते हैं, जो काफी महंगी औषधि है।

तस्कर एआई की लेता था मदद

वन विभाग की टीम ने मनीष के मुंशी तथा अन्य के कब्जे से मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल की पड़ताल करने पर उन्हें पता चला है कि लकड़ी तस्कर एआई की मदद से ओडिशा, छत्तीसगढ़, हरियाणा तथा उत्तरप्रदेश वन विभाग का फर्जी टीपी बनाकर अपने साथियों को देता था। जब्त खैर लकड़ी भी एआई तकनीक से तैयार टीपी की मदद से लायी गयी थी।

दूसरे राज्य के रास्ते दूसरे देशों में बेचता था

विभागीय अधिकारियों को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मनीष अग्रवाल खैर लकड़ी को रायपुर मंगाने के बाद यहां से उस लकड़ी को हरियाणा, उत्तरप्रदेश के रास्ते नेपाल भेजता था। इसके बाद अन्य देशों में खैर लकड़ी का अवैध कारोबार करता था। खैर लकड़ी का ओडिशा में सबसे ज्यादा उत्पादन सोनेपुर, बलांगीर, मयूरभंज के जंगलों में होता है। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर तथा सरगुजा में खैर लकड़ी पायी जाती है।

वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने एक तस्कर के गोदाम में छापे की कार्रवाई करते हुए 50 टन के करीब खैर लकड़ी के गोले जब्त किए हैं। तस्कर ने लकड़ी के गोले ओडिशा से तस्करी कर अपने यार्ड में डंप कर रखे थे। वन विभाग की उड़नदस्ता टीम को जैसे ही खैर लकड़ी के बारे में जानकारी मिली, मंगलवार तड़के पांच बजे यार्ड में छापा मारकर खैर लकड़ियों का लॉट अपने कब्जे में ले लिया।

ओडिशा से तस्करी कर हीरापुर, तेंदुआ स्थित यार्ड में छिपाकर रखा था

एआई से बनाई फर्जी टीपी और ओडिशा से ले आया 50 टन खैर लकड़ियां, गोले जब्त, तस्कर गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्य तस्कर फरार है, उससे जुड़े मुंशी सहित तीन लोगों को वन विभाग के अफसर अपनी कस्टडी में लेकर पूछताछ कर रहे हैं। राज्य उड़नदस्ता के संदीप सिंह राजपूत तथ रायपुर रेंज के रेंजर दीपक तिवारी ने बताया कि खैर लकड़ी को सारंगढ़-बिलाईगढ़, सरसीवां निवासी मनीष अग्रवाल ने ओडिशा से तस्करी कर मंगाया था। लकड़ी को दो ट्रकों में लोड कर डंप किया गया था। वन अफसरों के अनुसार तस्कर ने फर्जी टीपी बनाकर खैर लकड़ी को तस्करी कर ओडिशा से ▶▶| शेष पेज 5 पर

खास खबर

पूर्व में तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है

मनीष अग्रवाल आदतन वन अपराधी है, उसके कब्जे से वर्ष 2021 में बड़ी खेप में खैर लकड़ी जब्त की गई थी, जिसे उसने खरोरा के यार्ड में छिपाकर रखा था। इसके पूर्व वर्ष 2019-20 में तेंदुआ खाल बेचने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। बताया जा रहा है, तस्कर के खिलाफ लकड़ी तस्करी का प्रकरण अब भी कोर्ट में लंबित है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹108693/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹132750/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹144910/-
सोने का भाव प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

ईबिक्स के चेयरमैन को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप्लिकेशन से जुड़े करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईबिक्स समूह के चेयरमैन विकास गर्ग को मंगलवार को गिरफ्तार किया। गर्ग (53) के दिल्ली स्थित ठिकानों की तलाशी के बाद उन्हें धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। उन्हें दिल्ली की एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया।

साय बोले- नक्सल हिंसा से दशकों तक प्रभावित था बस्तर का विकास और शिक्षा, अब शांति-विश्वास का नया दौर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सल हिंसा की वजह से बस्तर का विकास और शिक्षा दशकों तक प्रभावित था। माओवाद के खात्मे के बाद अब वहां शांति और विश्वास का नया दौर प्रारंभ हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस तथा बस्तर की जनता के विश्वास और सहयोग से प्रदेश इस चुनौती से निर्णायक रूप से मुक्त होकर शांति, सुरक्षा और विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माओवाद हिंसा मुक्ति पर आभार प्रस्ताव लाया, जिसे लंबी चर्चा के बाद पारित कर दिया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला पुलिस बल, विशेष सुरक्षा इकाईयों तथा अभियान में सहभागी सभी सुरक्षा एजेंसियों के साहस, समर्पण और व्यावसायिक दक्षता की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए समन्वित सुरक्षा एवं विकास आधारित रणनीति अपनाई। केंद्रीय ▶▶| शेष पेज 5 पर

खास खबर

माओवादी हिंसा मुक्ति पर सदन में आभार प्रस्ताव, चर्चा के बाद पारित

डॉ. रमन हुए भावुक

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भावुक होते हुए कहा कि नक्सल मुद्दे पर छत्तीसगढ़ ने दुनिया की सबसे बड़ी लड़ाई जीती है। हमारी सरकार ने बेस्ट अधिकारियों को बस्तर भेजा था। आज सभी जांबाज जवानों को सैल्यूट करता हूं। उन्होंने कहा, बारूद बिछने वाली सड़कों पर अब सड़कें बन रही हैं। ▶▶| शेष पेज 5 पर

कश्यप के झलके आंसू

संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने नक्सलवाद खात्मे पर आभार प्रस्ताव पेश किया। चर्चा के दौरान केदार कश्यप भावुक हो गए। बोलते-बोलते उनका गला रूंध गया। इस दौरान सदन में मौजूद डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने उनके पास पहुंचकर ढांढस बंधाया और उनका हौसला बढ़ाया। ▶▶| शेष पेज 5 पर

हमारा छग नक्सलमुक्त

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ नक्सली संगठन से मुक्त हुआ है। आज इस पर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदन में था जिस पर चर्चा थी, परंतु आश्चर्यजनक से पूरा विपक्ष कांग्रेस पूर्णता गायब रही। मैं उन लोगों के नाम लेकर आया था, जो झीरम में थे। मैं सदन में बताता किस तरीके ▶▶| शेष पेज 5 पर

विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार, 17 को होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव प्रस्तुत करने बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन के 10 प्रतिशत से अधिक सदस्यों का समर्थन इस प्रस्ताव को लेकर होने पर इसे स्वीकार कर लिया और इसकी चर्चा के लिए 17 जुलाई की तारीख भी तय कर दी। कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव ▶▶| शेष पेज 5 पर

सरकार के ढाई साल के कार्यकाल पर बहस

अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से कांग्रेस राज्य सरकार के ढाई साल के कार्यकाल पर बहस के जरिए सवाल उठाएगी। इस दौरान हुए विभिन्न घटनाओं के अलावा योजनाओं की विफलता को सदन में उठाएगी। विपक्ष के आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाएगी और विपक्ष के आरोपों का जवाब देता है।

छत्तीसगढ़ में खुली जेल

अच्छे आचरण वाले 200 उम्रकैदी परिवार के साथ रह सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में पहली बार खुली जेल (ओपन जेल) शुरू करने का आदेश जारी कर दिया है। जेल विभाग ने बेमेतरा जिले के पथर्रा गांव में स्थापित की गई इस जेल के संचालन को मंजूरी देते हुए इसे कैदियों के सुधार और पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

सरकारी आदेश के अनुसार लगभग 23 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस खुली जेल में शुरुआती चरण में करीब 200 आजीवन कारावास की सजा काट रहे ऐसे बंदियों को रखा जाएगा, जिनका जेल में आचरण अच्छा रहा है और जो निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। इन बंदियों ▶▶| शेष पेज 5 पर

खास खबर

कृषि और पशुपालन से जुड़कर समाज में पुनर्वास का मिलेगा अवसर

इस जेल में निगरानी का तरीका होता है अलग

पारंपरिक जेलों के विपरीत खुली जेल में ऊंची सुरक्षा दीवारें, लोहे की सलाखें और चौबीसों घंटे सशस्त्र निगरानी जैसी व्यवस्था नहीं होती। यह मॉडल बंदियों के आत्म-अनुशासन, जिम्मेदारी और विश्वास पर आधारित होता है। उन्हें निर्धारित नियमों के तहत काम करने, परिवार के साथ रहने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जाता है। देश के कई राज्यों में पहले से संचालित खुली जेलों को कैदियों के सुधार और पुनर्वास का प्रभावी मॉडल माना जाता है। अब बेमेतरा के पथर्रा में शुरू होने वाली यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ की पहली खुली जेल होगी, जिससे राज्य में सुधारात्मक जेल प्रणाली की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा।

सभी कैदियों के लिए नहीं होगी खुली जेल

सरकार का मानना है कि इससे सजा पूरी होने के बाद बंदियों का समाज में पुनर्वास आसान होगा और वे सामान्य जीवन के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। खुली जेल में स्थानांतरण सभी कैदियों के लिए नहीं होगा। इसके लिए जेल प्रशासन पात्रता का परीक्षण करेगा। केवल अच्छे आचरण वाले, अनुशासित और आदतन अपराधी नहीं माने जाने वाले बंदियों को ही इस व्यवस्था का लाभ मिलेगा। आमतौर पर ऐसे बंदियों को प्राथमिकता दी जाती है जिनकी सजा की अवधि अंतिम चरण में होती है और जिनके समाज में पुनर्समायोजन की संभावना अधिक होती है।

ट्रेलर ने बुलेट को मारी टक्कर, मेडिकल छात्र सहित दो की गई जान, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

कोयले से भरे एक तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बुलेट सवार तीन लोगों को ढेंगुरनाला पुल पर अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे एक युवक व एक युवती की मौत हो गई है। घटना में एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और चक्काजाम करने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझाइश देने पर चक्काजाम नहीं हुआ। हादसे को अंजाम देने वाले चालक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटनाकारित ट्रेलर को जब्त कर लिया है।

मौके पर ही छात्र-छात्रा की मौत

हादसे की सूचना मिलते ही बालको पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जब तक घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जाता उससे पहले मौके पर एमबीबीएस छात्र हैप्पी रात्रे और गौरेला पेंड्रा निवासी रेशमा नागेश की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल रागनी को उपचार के लिए मेडिकल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया है और दुर्घटनाकारित ट्रेलर को भी जब्त कर लिया है।

23 जून को भी भागे थे 11 बालक, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दरवाजा तोड़ बाल संप्रेक्षण गृह से भागे 13 अपचारी बालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शहर के बाल संप्रेक्षण गृह से एक बार फिर से अपचारी बालकों के फरार होने की घटना सामने आई है। अपचारी बालकों ने बाल संप्रेक्षण गृह का गेट तोड़कर फरार हो गए। बाल संप्रेक्षण गृह से 13 अपचारी बालकों के भागने की बात सामने आई है। बड़ी बात यह है कि इसके पहले 23 जून को भी संप्रेक्षण गृह की खिड़की तोड़कर 11 अपचारी बालक भाग निकले थे। एक महीने के भीतर दूसरी घटना से बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

बताया जा रहा है कि मंगलवार की देर शाम बाल संप्रेक्षण गृह के दरवाजे को तोड़कर 13 अपचारी बालक फरार हो गए। रात लगभग आठ बजे बालकों ने बाल सम्प्रेक्षण गृह के पीछे की तरफ मौजूद लोहे के गेट के रॉड को फैलाकर जगह बनाई और फिर भाग निकले। इस दौरान प्रबंधन की नजर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे ▶▶| शेष पेज 5 पर

कलेक्टर-एसएसपी ने लिया था जायजा

पूर्व में हुई घटना के बाद कलेक्टर-एसएसपी ने भी बाल संप्रेक्षण गृह का जायजा 24 जून को लिया था। आवश्यक सुधार और भवन की आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे लेकिन एक बार फिर से अपचारी बालक चकमा देकर भागने में सफल हो गए। गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार द्विवेदी ने बताया कि अपचारी बालकों के भागने की सूचना मिली है। घटना की जांच चल रही है।

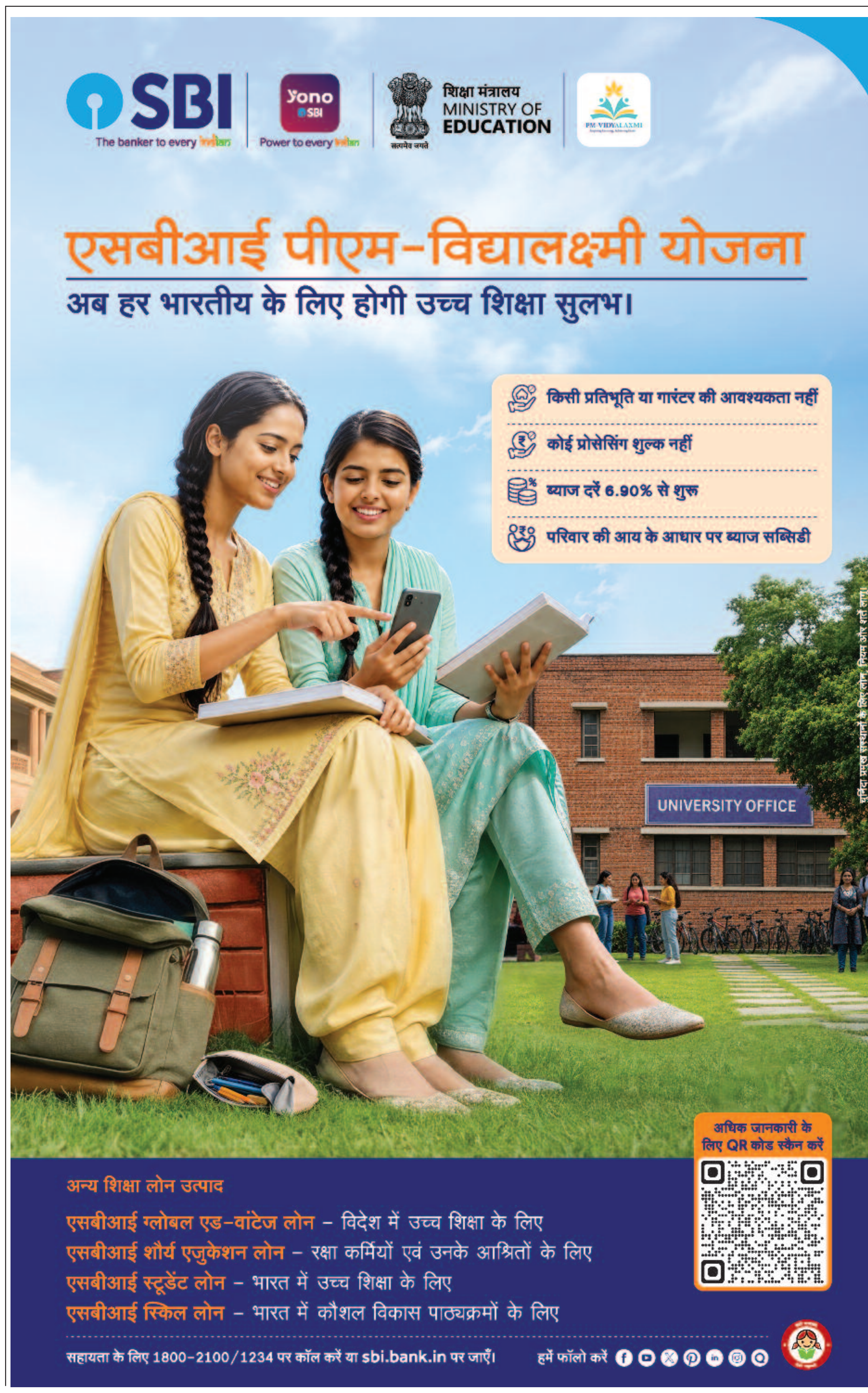

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा बना आधुनिक रेल क्रांति का अग्रदूत

विकसित भारत विकसित हरियाणा

नायब सिंह सैनी

देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन का संचालन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाना केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना विकसित भारत और ग्रीन इंडिया के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगी।

भारत आज विकास के ऐसे स्वर्णिम दौर से गुजर रहा है, जहां आधुनिक तकनीक, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। रेलवे क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। आज भारतीय रेल विश्वस्तरीय तकनीक, अत्याधुनिक सुविधाओं और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी विकास यात्रा में हरियाणा को एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन का संचालन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाना केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना विकसित भारत और ग्रीन इंडिया के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव इस बात पर बल दिया है कि भारत का विकास आधुनिक तकनीक, नवाचार और आत्मनिर्भरता पर आधारित होना चाहिए। इसी सोच का परिणाम है कि आज भारत स्वदेशी तकनीक के बल पर नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भारतीय रेलवे के इतिहास में एक परिवर्तनकारी पहल है। यह परियोजना दर्शाती है कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नई तकनीकों का निर्माता और विश्व को दिशा देने वाला राष्ट्र बन रहा है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन, निर्माण और रूपांतरण के साथ तैयार यह ट्रेन भारतीय इंजीनियरों की क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का जीवंत उदाहरण है।

यह हाइड्रोजन ट्रेन ब्रॉड गेज पर संचालित होने वाली दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक होगी। लगभग 141 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस ट्रेन में दो ड्राइविंग पावर कार और आठ यात्री कोच होंगे। लगभग 2400 किलोवाट की शक्ति क्षमता के साथ यह भारतीय रेलवे की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल होगी। इसका सफल ट्रायल पूरा हो चुका है तथा मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि भारत अत्याधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल रेल परिवहन की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

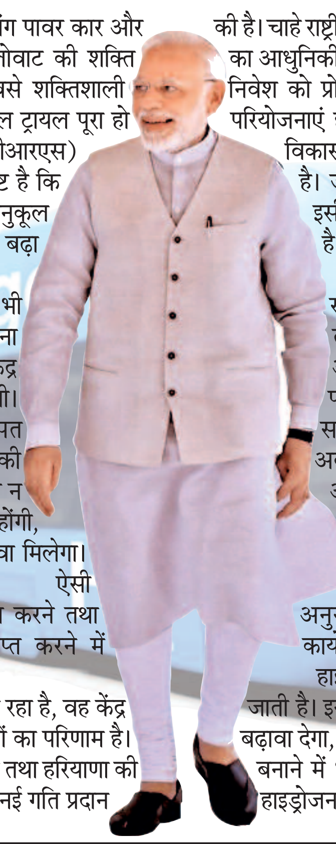

हरियाणा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह परियोजना प्रदेश को आधुनिक रेलवे तकनीक का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लगभग 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत रेलखंड पर संचालित होने वाली यह ट्रेन प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को नई पहचान देगी। इससे न केवल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में ऐसी परियोजनाएं भारत को कार्बन उत्सर्जन कम करने तथा हरित विकास के वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

आज हरियाणा में जो विकास दिखाई दे रहा है, वह केंद्र सरकार और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। चाहे राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार हो, रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण, हवाई सेवाओं का विस्तार, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में नई परियोजनाएं हों या आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं का विकास—हर क्षेत्र में हरियाणा निरंतर आगे बढ़ रहा है। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भी इसी समन्वित विकास दृष्टि का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट विजन रहा है कि भारत का विकास केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के प्रत्येक राज्य और प्रत्येक क्षेत्र तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचें। इसी सोच के अनुरूप हरियाणा में रेलवे, सड़क, ऊर्जा, उद्योग और डिजिटल अवसंरचना को अभूतपूर्व गति मिली है। प्रदेश में आधुनिक परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन यह दर्शाता है कि डबल इंजन सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

हाइड्रोजन ऊर्जा भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा मानी जाती है। इसका उपयोग न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा। भारतीय रेलवे द्वारा हाइड्रोजन तकनीक को अपनाना इस बात का प्रमाण है कि देश भविष्य की चुनौतियों के लिए आज से ही तैयारी कर रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत और ग्रीन इंडिया के विजन को मजबूत आधार प्रदान करती है।

आज भारत दुनिया के सामने एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, जो परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय करते हुए विकास की नई इबारत लिख रहा है। हरियाणा इस परिवर्तनकारी यात्रा का सक्रिय सहभागी है। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना प्रदेश के युवाओं, इंजीनियरों और उद्योग जगत के लिए भी नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में रोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित करेगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व तथा केंद्र और हरियाणा की डबल इंजन सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश इसी प्रकार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। जींद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, हरित विकास, आधुनिक तकनीक और विकसित भारत के संकल्प का सशक्त प्रतीक है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक भारत की मजबूत नींव सिद्ध होगी तथा हरियाणा को देश के अग्रणी विकासशील राज्यों की श्रेणी में और अधिक सशक्त बनाएगी। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का हरियाणा के शुरू होना भी प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। जींद-सोनीपत रेलखंड पर दौड़ने वाली ट्रेन प्रदेश क लोगों को जहां बड़ी राहत देगी वहीं हरियाणा की परिवहन व्यवस्था सशक्त और मजबूत होगी और किराया भी कम लगेगा।

(लेखक हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं)

एक्सप्रेस में गूंजी बच्चे की किलकारी, जच्चा-बच्चा सुरक्षित

राजनांदगांव। एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक गर्भवती महिला ने चलती ट्रेन में पुत्र को जन्म दिया। प्रसव पीड़ा होने पर ट्रेन में सफर कर रही दो महिला यात्रियों ने मदद की और सकुशल प्रसव कराया। मां और बच्चे दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम को जैसे ही गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने की जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां दोनों स्वस्थ बताए गए हैं। जीआरपी थाना से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे के आसपास सिकंदराबाद एक्सप्रेस के जनरल कोच में महिला यात्री के प्रसव की सूचना मिली। सूचना मिलते ही जीआरपी एवं आरपीएफ के जवान स्टेशन पर पहुंचे और प्रसव पीड़ा से पीड़ित महिला भारती नट उम्र लगभग 21 साल पति जितेंद्र नट निवासी कवर्धा तथा नवजात शिशु को सुरक्षित नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

कांग्रेस ने किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा

खाद-बीज पर स्थगन प्रस्ताव, हंगामे के बाद विपक्षी विधायक निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में खाद-बीज के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार पर किसान विरोधी होने के साथ किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, खाद-बीज की कोई कमी नहीं है। खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते गर्भगृह में पहुंचे, जिसके बाद स्वमेव निलंबित हो गए।

शून्यकाल में किसानों से जुड़ी समस्याएं, खाद और उन्नत बीज की कमी को लेकर स्थगन की सूचना देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, खाद के लिए किसान परेशान हो रहे हैं। खाद का कोटा भी कम किया गया है। बारिश भी कम हुई है, जिससे बोनी भी पिछड़ी हुई है। किसान खाद के लिए भटकते रहे, सहकारी सोसाइटी में उपलब्ध नहीं था, लेकिन व्यापारियों के पास उपलब्ध है। किसानों को लूटा जा रहा, बिजली की कटौती की जा रही है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है, प्रति एकड़ 25 किलो से ज्यादा खाद नहीं ले सकते। सुपर फास्फेट नहीं ले सकते, किसानों को जबरिया एनपीके थमाया जा रहा है। सरकारी दुकानों में खाद नहीं मिल रही है, वहीं निजी दुकानों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। जो डीएपी 1300 का है, वह बाजार में 1800 से 2000 का मिल रहा है। बीज में बहुत जगह करगा मिला, जिसे वापस करना पड़ा।

किसानों पर चौतरफा प्रहार: महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने कहा, डीएपी, पोटाश जैसी खाद नदारद है, किसान कृषि विभाग के कुप्रबन्धन का शिकार हो गए हैं। कई व्यापारियों ने खाद को खपाने के लिए जिस तरह दलाली शुरू कर दी है, वो चिंता का विषय है। किसानों पर चौतरफा प्रहार हो रहा है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से इस पर चर्चा कराने की मांग की।

गर्भ गृह में पहुंचे विपक्षी

मंत्री का जवाब आने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने चर्चा कराने से इनकार कर दिया। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन में नारेबाजी शुरू कर दी। सत्ता पक्ष की ओर से भी नारे लगाए जाने लगे। माहौल में तब और गर्मी आ गई, जब विपक्ष के विधायक नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में पहुंचे। गर्भगृह में पहुंचने से विपक्ष के विधायक स्वतः निलंबित हो गए।

90 प्रतिशत खाद और 96 प्रतिशत बीज का भंडारण

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, खाद और बीज की कोई कमी नहीं है। खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। प्रदेश में उर्वरक का लक्ष्य 15.55 लाख मीटिक टन के विरुद्ध लक्ष्य का 90 प्रतिशत लगभग 14 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर लिया गया है। मांग के विरुद्ध 96 प्रतिशत बीजों का भंडारण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक स्रोत जैसे एनपीके और सिंगल सुपर फास्फेट की भी उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। पिछली बार के मुकाबले इस बार 96 हजार मीट्रिक टन ज्यादा उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। खाद के 94 नमूने जहां से अमानक पाए गए उन पर कार्रवाई भी की है।

कृषि पर चर्चा के लिए सरकार के पास समय नहीं

भूपेश ने कहा, सरकार ने भी माना कि 56 प्रतिशत ही डीएपी उपलब्ध है। सरकार ने ये भी माना कि अमानक खाद की जांच में 96 फीसदी अमानक है। सरकार ने ये भी कह दिया है कि 20 से 145 दिन के बीज उपलब्ध है, लेकिन अवर्षा की स्थिति है। सरगुजा में सिर्फ 18 प्रतिशत बुवाई हुई है। कोरबा, बस्तर, मैदानी हिस्से में बुवाई पिछड़ गई है। बीच में कुछ दिन बारिश हुई, लेकिन धरती सूखी हुई है और फिर से दरारें पड़नी शुरू हो गई है। अलनीनों का प्रभाव दिखाई दे रहा है। कृषि कार्य पिछड़ गया है। कांग्रेस ने आसंदी से आग्रह किया कि कृषि को लेकर चर्चा की जाए लेकिन सरकार के पास समय नहीं है कि चर्चा कराई जाए।

स्पर्श मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल से हटाए गए दो डायरेक्टर पुनः बहाल

रायपुर। राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) कटक की पीठ ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पर्श मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल से हटाए गए दो संचालक अजय सोमानी एवं प्रदीप पाल को फिर से बहाल करने का आदेश दिया है। अजय सोमानी एवं प्रदीप पाल की याचिका कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 210(2), 213, 221, 241 एवं 242 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई थी। याचिकाकर्ताओं ओर से अधिवक्ता अभिनव कार्डेकर एवं उनकी विधि फर्म ने तर्क दिया था कि कंपनी के बहुसंख्यक शेयर धारक एवं प्रबंध निदेशक कंपनी के मामलों का संचालन कंपनी अधिनियम के विपरीत किया जा रहा है। प्रबंधन पर बड़े पैमाने पर नगद लेन-देन कर कंपनी की धनराशि का दुरुपयोग, कंपनी की निधियों को व्यक्तिगत खातों में स्थानांतरित कर लेनदारों के धोखाधड़ी कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में गंभीर अनियमितताएं कर रहा था जिसकी वजह से उसे डी-एम्पैनल कर दिया गया था। फरियादी पक्ष का कहना था कि जान के खतरे के कारण वे संचालक मंडल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे और इसे आधार बनाकर उन्हें हटा दिया गया था। एनसीएलटी ने कंपनी एवं अस्पताल के प्रबंधन का नियंत्रण बहुसंख्यक शेयरधारकों से लेकर राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) दीप चन्द्र जोशी को स्वतंत्र प्रशासक नियुक्त किया है। प्रशासक को कंपनी की धनराशि के दुरुपयोग एवं गबन तथा अन्य वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं की जांच हेतु स्वतंत्र फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त करने कहा है।

- राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण कटक की पीठ ने दिया अहम फैसला

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

रोजगार गारंटी पर सीएजी का सवाल, एक फीसदी से कम परिवारों को मिला सौ दिन काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कानून में तय 100 दिन के रोजगार का लक्ष्य अधिकतर परिवारों तक नहीं पहुंच सका। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच काम पाने वाले परिवारों में केवल 0.92 प्रतिशत परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार मिला, जबकि 18.26 लाख परिवारों को काम मांगने के बावजूद रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया। रिपोर्ट मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश की गई।

- 18 लाख से अधिक परिवारों को मांग के बावजूद रोजगार नहीं मिला

12 प्रतिशत परिवार रोजगार से रहे वंचित : सीएजी के अनुसार पांच वर्षों में 1.52 करोड़ परिवारों ने मनरेगा के तहत रोजगार की मांग की, लेकिन इनमें से केवल 1.34 करोड़ परिवारों को ही काम मिला। यानी लगभग 12 प्रतिशत परिवार रोजगार से वंचित रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे पात्र परिवारों को कानून के प्रावधान के बावजूद बेरोजगारी भत्ते का भुगतान भी नहीं किया गया। रोजगार पाने वाले परिवारों की स्थिति भी योजना के उद्देश्य के अनुरूप नहीं रही। रिपोर्ट के अनुसार 1.11 करोड़ परिवारों (83 प्रतिशत) को 100 दिन से कम रोजगार मिला।

सीएजी ने उठाए ये गंभीर सवाल

सीएजी ने योजना निर्माण की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार श्रम बजट तैयार करने से पहले आवश्यक गृह सर्वेक्षण नहीं कराए गए और परीक्षण की गई 48 ग्राम पंचायतों में करीब 86 प्रतिशत कार्य ग्राम सभा की अनिवार्य स्वीकृति के बिना शुरू कर दिए गए। इससे मनरेगा की सहभागी योजना निर्माण व्यवस्था प्रभावित हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तकनीकी सहायकों और ग्राम रोजगार सहायकों सहित लगभग 21 प्रतिशत मानव संसाधन के पद रिक्त रहे। प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भी निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 97 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिससे योजना के प्रभावी संचालन पर असर पड़ा। निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सीएजी ने सवाल उठाए हैं। राज्य और जिला स्तर की कई वैधानिक समितियों की अनिवार्य बैठकें नहीं हुईं, जिला गुणवत्ता निगरानी प्रकोष्ठ गठित नहीं किए गए और ग्राम पंचायतों में कई जरूरी अभिलेख अधूरे या अनुपलब्ध पाए गए।

वित्तीय प्रबंधन में गड़बड़झाला

वित्तीय प्रबंधन में भी कई अनियमितताएं सामने आई हैं। सीएजी के अनुसार अप्रैल 2015 से मार्च 2023 के बीच कर्मचारियों के 29.62 करोड़ रुपये के ईपीएफ अंशदान का भुगतान नहीं किया गया। ब्याज और जुर्माना जुड़ने के बाद यह देनदारी बढ़कर 84.59 करोड़ रुपये हो गई। पर्याप्त राशि उपलब्ध होने के बावजूद मजदूरी भुगतान में देरी के मामले भी दर्ज किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2019-20 से 2023-24 के दौरान स्वीकृत कार्यों में से अक्टूबर 2024 तक केवल 61 प्रतिशत कार्य ही पूरे हो सके। संयुक्त भौतिक सत्यापन में कई परिसंपत्तियां अनुपयोगी या गैर-कार्यशील मिलीं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बारिश होते ही 7 गांवों की 12 हजार आबादी की आवाजाही होती है प्रभावित

दिलीप साहू ▶▶| निकुम (दुर्ग)

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में तांदुला नदी के किनारे बसा गांव आलबरस। हर साल इस गांव का बारिश के दिनों में संपर्क जिला मुख्यालय से टूट जाता है। इससे ग्रामीणों को दूसरी लंबी दूरी के मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ता है। निकुम से कोनारी होकर दुर्ग को जोड़ने वाली यह 10 किलोमीटर लंबी सड़क बारिश के दिनों में ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। इस मार्ग से निकुम, आलबरस, खुर्सीपार, खुरसुल, आमदी, भासाभाठ, मोहंती की ओर जाया जाता है। बारिश होते ही नाला ऊफान पर आ जाता है और रास्ता बंद हो जाता है। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद करीब 3 दिनों तक यह मार्ग बंद रहा।

■ यहां सड़क पर चलती है नाव,टापू में तब्दील हो जाता है गांव

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से निकुम से कोनारी सड़क मार्ग से से सीधे दुर्ग का रास्ता आसान है, क्योंकि राहगीरों को दुर्ग और ट्रैफिक से राहत मिलती है, लेकिन विभागीय अधिकारियों के अनदेखी व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से पुल की मांग का असर अब ▶▶|शेष पेज 5 पर

तेज बहाव पर पैसे लेकर पार कराए जाते हैं वाहन

बता दें कि इस मार्ग पर बारिश के दिनों में नाले के ऊफान पर रहने के दौरान पैसे लेकर वाहन पार कराए जाते हैं। ग्रामीण वाहन को लादकर नाला पार करते हैं। इस दौरान टायर ट्यूब की भी मदद ली जाती है। स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और आम ग्रामीणों को बाजार, अस्पताल तथा अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने-जाने में घंटों पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है।

हरिभूमि लगातार

शहर से लगे गांव भी बन जाते हैं टापू, कहीं नाव चलती है, कहीं पैसे देकर पार करते हैं रास्ता

जंगल-पहाड़ या दूरदराज के गांवों की बात छोड़िए। यहां शहर से लगे गांव थोड़ी सी बारिश के बाद टापू बन जाते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है राजनांदगांव का जंगलेशर, जिसकी शहर से दूरी सिर्फ 7 किलोमीटर है, लेकिन भारी बारिश में यहां सड़क पर नाव चलती है। इसीतरह दुर्ग से लगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र का गांव आलबरस में पुलिया में बाढ़ आने से रास्ता बंद हो जाता है। तीर्थनगरी राजिम में कहीं गांव तलाशने की जरूरत नहीं है, यहां शहर ही बाढ़ के कारण दो भागों में बंट जाता है। एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जाने का रास्ता बंद रहता है।

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

शहर के समीप ही नगर निगम और जिला मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम जंगलेशर के लिए बारिश राहत नहीं बल्कि आफत लेकर आती है। बीते कई वर्षों से इस गांव के लोग बारिश अधिक होने पर टापू में फंस जाते हैं। उनके गांव का संपर्क सभी रास्तों से अन्य गांव से कट जाता है। उनके आवागमन के लिए कोई भी सड़क नहीं बचती है। जब तक रपटे से पानी नीचे नहीं उतरता है तब तक यहां से कोई कहीं नहीं जा सकता हैं, वह गांव के भीतर ही कैद हो जाते हैं। राजनांदगांव ▶▶|शेष पेज 5 पर

नाव से होता है आवागमन

अधिक बारिश होने पर ग्राम जंगलेशर का संपर्क सड़क मार्ग से बंद हो जाता है ऐसे में यहां किसी की तबीयत खराब हो तो एम्बुलेंस और आपातकालीन स्थिति में अन्य सुविधाएं भी नहीं पहुंच पाती है। दोनों सड़क के रपटों में पानी भरने के बाद पानी सड़क से उतरने तक लोग यहां फंसे रहते हैं। कई बार आवागमन आवश्यक हो तो नाव बुलानी पड़ती है और सड़क के ऊपर नाव चलाकर लोग उस पार से इस पार तक आते हैं। मरीज को भी नाव के जरिए ही लाया जाता है।

सड़क मार्ग हो जाता है बंद

ग्राम जंगलेशर जाने के लिए जंगलेशर-कान्हापूरी और जंगलेशर - मोहड़ मार्ग है। इन दोनों मार्ग पर ढलान में छोटी पुलिया है। अधिक बारिश होने पर जंगलेसर- मोहड़ मार्ग बंद हो जाता है क्योंकि इस मार्ग के रपटे से शहर के पानी का बहाव होता है। वहीं जंगलेशर- कन्हारपुरी मार्ग के समीप स्थित शिवनाथ नदी में बाढ़ आने के चलते इस मार्ग के रपटे में नदी के बाढ़ का पानी भर जाता है।

राजिम शहर के पथर्रा नाले के ऊपर बहता है दो फीट पानी

श्यामकिशोर शर्मा ▶▶| राजिम

धर्मनगरी राजिम के विकास की चर्चा जितनी तेजी से हो रही है, उतनी ही गंभीर एक पुरानी समस्या आज भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। राजिम-घटारानी-छुरा मार्ग पर राजीवलोचन महाविद्यालय से पहले स्थित पथर्रा नाला हर बारिश में लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा देती है। थोड़ी देर की तेज बारिश होते ही नाले के ऊपर घुटने से लेकर दो से ढाई फीट तक पानी बहने लगता है, जिससे इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पानी चढ़ते ही राजिम शहर मानो दो हिस्सों में बंट जाता है। राजिम का वार्ड क्रमांक 14 और 15 सहित इस मार्ग से जुड़े पीपरछेड़ी, भैंसातरा, बेलटुकरी, कौंदकेरा, घटारानी ▶▶|शेष पेज 5 पर

सीएजी ने पकड़ी गड़बड़ियां, 78 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक ही नल कनेक्शन पहुंचा

11 हजार करोड़ खर्च, फिर भी जल जीवन सूखा, देश में 23वें स्थान पर छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ ने जल जीवन मिशन पर मार्च 2024 तक 11,034.26 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के मामले में राज्य देश में केवल 23वें स्थान पर रहा। यह जानकारी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सामने आई है, जिसे मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन शुरू होने के समय राज्य के केवल 3.20 लाख ग्रामीण परिवारों, यानी छह प्रतिशत, के पास क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन था। मार्च 2024 तक यह संख्या बढ़कर 38.97 लाख परिवारों (78 प्रतिशत) तक पहुंची, लेकिन इस प्रगति के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की रैंकिंग 23वीं रही। सीएजी ने कहा है कि मिशन की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी क्योंकि योजना निर्माण, परियोजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था में कई गंभीर कमियां रहीं।

■ नकटी, कानून व्यवस्था और किसानों की समस्याओं पर लाया प्रस्ताव

172 योजनाएं ही पूरी

रिपोर्ट के मुताबिक मिशन के तहत स्वीकृत 29,153 एकल ग्राम जलापूर्ति योजनाओं में से मार्च 2024 तक केवल 172 ही पूरी हो सकीं। इनमें भी मात्र 32 योजनाएं संचालन एवं रखरखाव के लिए ग्राम पंचायतों या सामुदायिक संस्थाओं को सौंपी गई थीं।'हर घर जल' प्रमाणन में भी बड़ा अंतर सामने आया। मार्च 2024 तक राज्य के सभी 19,656 गांवों को प्रमाणित करने का लक्ष्य था, लेकिन केवल 716 गांव (3.64 प्रतिशत) ही प्रमाणित किए जा सके। लेखा परीक्षा में ऐसे मामले भी मिले, जहां जलापूर्ति व्यवस्था पूरी नहीं होने के बावजूद गांवों को 'हर घर जल' घोषित कर दिया गया।

ये लक्ष्य रह गया अधूरा

सीएजी के अनुसार राज्य का कोई भी जिला या विकासखंड सभी ग्रामीण परिवारों तक शत-प्रतिशत नल कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया। धमतरी में सबसे अधिक 98 प्रतिशत और बलौदाबाजार में 76 प्रतिशत कवरेज दर्ज की गई, जबकि 15 जिलों में यह 56 से 74 प्रतिशत के बीच रही। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मिशन के लिए आवश्यक ▶▶|शेष पेज 5 पर

रिपोर्ट से सामने आए ये सवाल

जल गुणवत्ता निगरानी और तकनीकी व्यवस्था पर भी सीएजी ने सवाल उठाए हैं। राज्य की 75 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं में से केवल चार सभी 13 निर्धारित मानकों की जांच करने में सक्षम थीं, जबकि 37 प्रतिशत प्रयोगशालाओं के पास एनएबीएल प्रत्यायन नहीं था। वहीं, कई सौर आधारित जलापूर्ति योजनाओं की क्षमता से अधिक कनेक्शन दिए जाने के कारण 28,984 परिवारों को निर्धारित स्तर के अनुरूप पेयजल उपलब्ध नहीं हो सका। सीएजी ने अपनी ▶▶|शेष पेज 5 पर

कंटेनरों में होगी उर्वरक और फ्लाई ऐश की ढुलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की घोषणा की है। इनमें उर्वरकों और फ्लाई ऐश के परिवहन के लिए कंटेनर आधारित व्यवस्था, उद्योगों को नए वैगन डिजाइन करने की अनुमति, रेलवे भूमि अधिग्रहण के लिए डिजिटल पोर्टल तथा रेलवे परियोजनाओं में कार्यरत श्रमिकों के लिए कौशल प्रमाणन प्रणाली शामिल है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में रेल मंत्री ने कहा कि देश में उर्वरकों के परिवहन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा भारतीय रेलवे के माध्यम से होता है।

■ रेलवे में बड़े सुधारों का ऐलान

आईएमडी ने जारी किया पूर्वानुमान

मानसून सक्रिय, होगी हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 15 जुलाई को देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय रहेगा। पूर्वोत्तर भारत में अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। इसके साथ ही कुछ जगहों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी ▶▶|शेष पेज 5 पर

बारिश की चेतावनी

आईएमडी ने रथयात्रा के दौरान तीर्थनगरी पुरी सहित ओडिशा के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की। मौसम प्रणाली के प्रभाव से बुधवार से शुक्रवार सुबह तक पुरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

केरल, कर्नाटक के मौसम का हाल

दक्षिण भारत में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। कुछ इलाकों में गरज के साथ बौछारें और तेज हवाएं भी चल सकती हैं। दक्षिण के कुछ तटीय क्षेत्रों में उमस बनी रह सकती है।

होर्मुज में जहाज पर हमला, भारतीय की मौत, ईरान के राजनयिक तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ओमान के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य में संयुक्त अरब अमीरात के दो तेल टैंकरों पर ईरान के हमले में मंगलवार को चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई जबकि नौ भारतीय घायल हो गए। भारत ने हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय ने ईरान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब किया और इन हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य ▶▶|शेष पेज 5 पर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अब तक 13 भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है। तीन लापता बताए जा रहे हैं। इस संघर्ष के दौरान जहाजों और टैंकरों पर हुए हमलों के बीच कई नाविकों को भी बचाया गया है। पिछले महीने पलाऊ के ध्वज वाले टैंकर 'एमटी सेट्रेबेलो' पर अमेरिका के हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान का अटैक

अमेरिका ने तड़के ईरान पर हवाई हमले किए। राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी फिर से लागू करने और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की घोषणा के कुछ घंटे बाद ये हमले किये गए। अमेरिकी सैन्य हमले के जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिका के सहयोगियों

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

राम मंदिर में सुनियोजित थी चोरी : अविमुक्तेश्वरानंद

बहराइच। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट में 'अपने चुने हुए लोगों' को बैठाया ताकि कथित 'चोरी' कराई जा सके। उन्होंने यह भी दावा किया कि मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) उन्हें (आरोपियों को) 'क्लीन चिट' देगा। शंकराचार्य ने गौ संरक्षण को लेकर निकाली जा रही जनजागरण यात्रा के दौरान बहराइच जिले के पयागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मंदिरों का निर्माण और प्रबंधन धार्मिक नेताओं के हाथ में ही होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित कृत्य है।

कच्चे तेल में तेजी से सहमा शेयर बाजार

निवेशकों के डूब गए तीन लाख करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 561 अंक टूट गया जबकि एनएसई निफ्टी में 159 अंक की गिरावट आई। बीएसई मार्केट कैप 482.41 लाख करोड़ रुपए से 3 लाख करोड़ रुपए कम होकर 479.40 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। ▶▶|शेष पेज 5 पर

कुछ फायदा, कुछ नुकसान

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एचसीएल टेक में सबसे अधिक 4.42 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

पश्चिम एशिया तनाव

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी तेजी आई। इससे घरेलू शेयर बाजार पर फिर से दबाव बढ़ गया। इससे यह आशंका पैदा हुई है कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में समस्या भारत में कंपनियों की कमाई में सुधार को और धीमा कर देंगी।

विदेशी बाजारों का ऐसा हाल

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग के हैंग सेंग में भी तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

चिंतन

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और अवसरों का सेतु भी है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लागू की गई त्रि-भाषा नीति (थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला) भी इसी सोच पर आधारित है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की इस नीति पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता। अदालत की यह टिप्पणी शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को रेखांकित करती है, लेकिन यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस नीति को लागू करने के लिए देश का शिक्षा तंत्र पूरी तरह तैयार है? राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुभाषी बनाना, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाना है। नई व्यवस्था के अनुसार नौवीं और दसवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। इससे विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा और देश की भाषाई विविधता से जुड़ने का अवसर मिलेगा। यह कदम भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस नीति को लेकर कई व्यावहारिक चिंताएं भी सामने आई हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया कि अनेक विद्यार्थी पिछले कई वर्षों से फ्रेंच, जर्मन या अन्य विदेशी भाषाएं पढ़ रहे हैं। ऐसे छात्रों के लिए अचानक नई भारतीय भाषा अपनाना आसान नहीं होगा। इससे उनकी पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। दूसरी ओर, कई स्कूलों में संबंधित भाषाओं के प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। अनेक भारतीय भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें भी समय पर उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इन व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए सीबीएसई ने अपनी प्रारंभिक व्यवस्था में संशोधन किया है। नई गाइडलाइन के अनुसार वर्तमान दसवीं, नौवीं, आठवीं और सातवीं के विद्यार्थियों को तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। केवल वर्तमान छठी कक्षा के विद्यार्थी पहले ऐसे बैच होंगे, जिन पर यह नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय बताता है कि सरकार भी चरणबद्ध तरीके से इस बदलाव को लागू करना चाहती है, ताकि विद्यार्थियों पर अनावश्यक दबाव न पड़े। वहीं जो छात्र शैक्षणिक वर्ष 2027-28 में कक्षा 10वीं में प्रवेश करेंगे, उन्हें अपनी तीसरी भाषा (जिसे आर3 कहा गया है) का स्कूल-आधारित इंटरनल असेसमेंट पास करना ही होगा। इसके बिना उन्हें सेकेंडरी स्कूल एग्जामिनेशन पास सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा। दरअसल, भाषा सीखने के अनेक लाभ हैं। शोध बताते हैं कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान बच्चों की स्मरण शक्ति, तार्किक क्षमता और रचनात्मक सोच को विकसित करता है। भविष्य में रोजगार, उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर पर संवाद के अवसर भी बढ़ते हैं। इसलिए नई भाषा सीखना कभी नुकसान का सौदा नहीं हो सकता। यदि पर्याप्त शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें, डिजिटल सामग्री और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं होगा तो अच्छी मंशा वाली नीति भी विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भाषा नीति लागू करने से पहले सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों और विद्यार्थियों को बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिले। बहुभाषी भारत में भारतीय भाषाओं को सम्मान मिलना समय की मांग भी है। यदि यही संतुलन बनाए रखा गया, तो सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी वास्तव में सार्थक सिद्ध होगी कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता।

आर्थिकी
ममता कुशवाहा

महंगाई : अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौती

जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर लगभग 4.38 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला कि महंगाई का दबाव फिर से बढ़ रहा है। लगातार कई महीनों की वृद्धि ने भारतीय रिजर्व बैंक, सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिक-सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, महंगाई का यह बढ़ता दबाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर किसान की खेती, हर व्यापारी के कारोबार और हर युवा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है।

कुछ दिन पहले जारी हुए खुदरा महंगाई के ताज़ा आंकड़ों ने एक बार फिर देश में आर्थिक बहस को तेज कर दिया है। जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर लगभग 4.38 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला कि महंगाई का दबाव फिर से बढ़ रहा है। लगातार कई महीनों की वृद्धि ने भारतीय रिजर्व बैंक, सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिक-सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, महंगाई का यह बढ़ता दबाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर किसान की खेती, हर व्यापारी के कारोबार और हर युवा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है।

महंगाई का सामान्य अर्थ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से है। जब किसी परिवार को पहले की तुलना में समान वस्तुएं खरीदने के लिए अधिक धन खर्च करना पड़ता है, तब उसकी क्रय शक्ति घटने लगती है। यदि आय उसी गति से नहीं बढ़ती, जिस गति से महंगाई बढ़ रही हो, तो जीवन स्तर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यही वजह है कि महंगाई का सबसे अधिक बोझ मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इनके बजट का बड़ा हिस्सा भोजन, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है, इसलिए कीमतों में मामूली वृद्धि भी उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर देती है। वर्तमान समय में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं। इन वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर हर परिवार की रसोई पर पड़ता है। भारत जैसे देश में जहां बड़ी आबादी सीमित आय पर निर्भर है, वहां खाद्य महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय बन जाती है। भोजन महंगा होने पर परिवार अपनी आवश्यकताओं में कटौती करने को मजबूर होते हैं, जिससे पोषण स्तर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। महंगाई को बढ़ाने वाले कारण केवल घरेलू नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए बड़ी चुनौती बन जाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ती है। इसका प्रभाव उद्योगों की उत्पादन लागत पर पड़ता है और अंततः उपभोक्ताओं को वस्तुएं महंगे दामों पर खरीदनी पड़ती हैं। इस प्रकार वैश्विक घटनाओं का असर सीधे भारतीय बाजार और आम नागरिक के जीवन पर दिखाई देता है। जलवायु परिवर्तन भी महंगाई का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। अनियमित मानसून, अत्यधिक वर्षा, सूखा और प्राकृतिक आपदाएं कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। यदि फसलें खराब होती हैं या उत्पादन कम होता है, तो बाजार में आपूर्ति घट जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। भारत की बड़ी आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है, इसलिए मौसम की अनिश्चितता केवल किसानों की आय ही नहीं, बल्कि पूरे

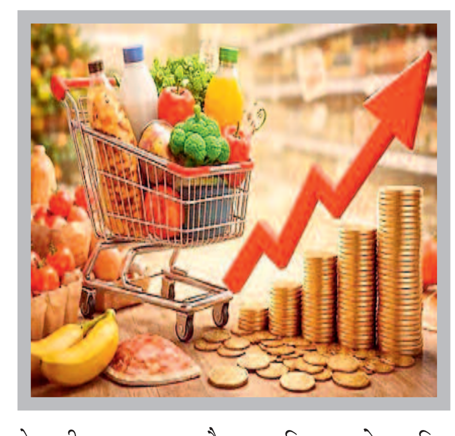

देश की खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता को प्रभावित करती है। आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और अधिक गंभीर हो सकते हैं, इसलिए कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम और तकनीक आधारित बनाने की आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई का सबसे बड़ा प्रभाव देश की मौद्रिक नीति पर पड़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक का प्रमुख उद्देश्य मूल्य स्थिरता बनाए रखना और आर्थिक विकास को संतुलित रखना है। यदि महंगाई लगातार लक्ष्य से ऊपर बनी रहती है, तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाने का निर्णय ले सकता है।

रेपो रेट बढ़ने का अर्थ है कि बैंकों को धन महंगा मिलेगा, जिसका असर गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और उद्योगों को मिलने वाले कर्ज पर पड़ेगा। ब्याज दरें बढ़ने से लोग कम खर्च करते हैं और उद्योग भी निवेश में सावधानी बरतते हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी हो सकती है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण और विकास के बीच संतुलन बनाना केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन जिम्मेदारी होती है। महंगाई का प्रभाव केवल उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहता। उद्योगों के लिए कच्चा माल, बिजली, ईंधन और परिवहन महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि कंपनियां बढ़ी हुई लागत उपभोक्ताओं पर डालती हैं, तो वस्तुएं और महंगी हो जाती हैं। यदि वे कीमतें नहीं बढ़ातीं, तो उनका लाभ घटता है और निवेश प्रभावित होता है। इसका असर रोजगार सृजन पर भी पड़ सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग, जिनकी आर्थिक क्षमता सीमित होती है, ऐसे समय में सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था की विकास दर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार के सामने भी इस समय अनेक चुनौतियां हैं। केवल ब्याज दरों के सहारे महंगाई पर स्थायी नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए उत्पादन बढ़ाना, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करना, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा कृषि और परिवहन क्षेत्र में सुधार करना आवश्यक है। आवश्यक वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना, भंडारण क्षमता बढ़ाना और किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना भी महंगाई नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम की जा सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था आज पहले की तुलना में कहीं अधिक वैश्विक हो चुकी है। इसलिए दुनिया के किसी भी हिस्से में उत्पन्न आर्थिक या राजनीतिक संकट का प्रभाव भारतीय बाजार तक पहुंच जाता है। ऐसे में आर्थिक नीतियों को केवल वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य के संभावित जोखिमों को देखते हुए तैयार करना होगा। मूल्य स्थिरता, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास को एक साथ लेकर चलना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सरकार, रिजर्व बैंक, उद्योग जगत और किसानों के बीच बेहतर समन्वय ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान दे सकता है। वास्तव में बढ़ती महंगाई केवल कीमतों का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक स्थिरता, सामाजिक संतुलन और विकास की दिशा से जुड़ा हुआ विषय है। यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं, तो इस चुनौती को अवसर में भी बदला जा सकता है। मजबूत कृषि व्यवस्था, पारदर्शी बाजार, संतुलित मौद्रिक नीति, बेहतर आपूर्ति तंत्र और दूरदर्शी आर्थिक निर्णय ही भारत को महंगाई के दुष्प्रभावों से बचा सकते हैं। आज आवश्यकता आंकड़ों पर बहस करने से अधिक ठोस और समन्वित कार्रवाई की है, ताकि आर्थिक विकास की गति भी बनी रहे और आम नागरिक की थाली तथा जेब दोनों सुरक्षित रह सकें।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

संघर्ष
डॉ. घनश्याम बादल

होर्मुज़ पर टैक्स की जंग समुद्र पर किसका अधिकार

युद्ध केवल मोर्चों पर नहीं लड़े जाते, वे समुद्रों, व्यापार मार्गों, अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर भी लड़े जाते हैं। आज फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार, हार्मुज़ जलडमरूमध्य, इसी प्रकार के संघर्ष का केंद्र बन गया है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे पर युद्धविराम की शर्तें तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं। एक ओर ईरान अपने समुद्री क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण और शुल्क लगाने की बात कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका भी समुद्री सुरक्षा के नाम पर जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलने की घोषणा कर चुका है। दोनों पक्ष अपने-अपने कदम को वैध ठहरा रहे हैं, किंतु प्रश्न यह है कि इसकी कीमत कौन चुकाएगा? उत्तर स्पष्ट है-दुनिया। ताज़ा घटनाक्रम में दोनों देश युद्धविराम के उल्लंघन के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने हार्मुज़ में जहाजों की आवाजाही बाधित कर समझौते की भावना का उल्लंघन किया, जबकि ईरान का कहना है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, नाकेबंदी और इज़राइल को समर्थन ने युद्धविराम को अर्थहीन बना दिया। स्वतंत्र रूप से इन दावों की पूरी पुष्टि संभव नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि दोनों पक्ष युद्धविराम की अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं और यही टकराव का सबसे बड़ा कारण बन गया है। इस पूरे संकट में इज़राइल की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ईरान का आरोप है कि इज़राइल की सैन्य गतिविधियों को अमेरिकी समर्थन प्राप्त है, जबकि अमेरिका इसे क्षेत्रीय सुरक्षा का प्रश्न बताता है। परिणाम यह है कि युद्ध केवल ईरान और अमेरिका के बीच सीमित नहीं रह गया, बल्कि पूरा पश्चिम एशिया उसकी चपेट में आ गया है। हार्मुज़ विश्व ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा है। सामान्य परिस्थितियों में विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। यदि इस मार्ग पर कोई भी पक्ष कर लगाए, जहाजों को रोकें या सैन्य नियंत्रण स्थापित करें, तो उसका प्रभाव केवल खाड़ी तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतें बढ़ेंगी, समुद्री बीमा महंगा होगा, माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और अंततः पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ेगा। सबसे रोचक और विडंबनापूर्ण स्थिति यह है कि दोनों पक्ष लगभग एक जैसी नीति अपना रहे हैं। ईरान कहता है कि वह अपनी समुद्री सीमा और सुरक्षा के लिए शुल्क लेगा। अमेरिका कहता है कि वह समुद्री सुरक्षा उपलब्ध करा रहा है, इसलिए उसके लिए भी शुल्क लिया जाना चाहिए। नाम अलग-अलग हो सकते हैं-'टैक्स', 'टोल', 'सुरक्षा शुल्क' या 'प्रतिपूर्ति'-लेकिन अंततः भुगतान जहाज मालिकों को करना होगा और उसका भार दुनिया के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। यही इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी विडंबना है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का मूल सिद्धांत यह है कि अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। किसी एक देश द्वारा समुद्री मार्ग को आर्थिक या राजनीतिक दबाव का साधन बनाना वैश्विक व्यापार व्यवस्था की भावना के विरुद्ध माना जाता है। यही कारण है कि दोनों पक्षों के दावों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रश्न उठ रहे हैं। भारत के लिए यह संकट विशेष चिंता का विषय है।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। यदि हार्मुज़ में तनाव बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी, पेट्रोल और डीज़ल महंगे होंगे, परिवहन लागत बढ़ेगी, उर्वरकों की कीमत प्रभावित होगी और अंततः महंगाई का दबाव आम नागरिक तक पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा और भारतीय निर्यात-आयात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खाड़ी देशों की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। वे एक ओर अमेरिका के सुरक्षा सहयोगी हैं, दूसरी ओर उनकी अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात पर निर्भर है। इसलिए वे किसी भी ऐसे संघर्ष से बचना चाहते हैं जिससे व्यापार बाधित हो। लंबे समय तक तनाव बना रहा तो खाड़ी देशों की आर्थिक वृद्धि और निवेश दोनों प्रभावित होंगे। वास्तविकता यह है कि आधुनिक युद्धों में 'आर-पार की जीत' अब लगभग असंभव हो गई है। अमेरिका जैसी महाशक्ति भी ईरान जैसे क्षेत्रीय शक्ति-संपन्न देश को स्थायी रूप से झुका नहीं सकती, और ईरान भी अमेरिका को सैन्य रूप से पराजित करने की स्थिति में नहीं है। यह संघर्ष किसी एक क्षेत्र का नहीं, पूरी मानवता का प्रश्न बन चुका है। यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में शांति चाहते हैं तो उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि प्रतिष्ठा की लड़ाई में आर्थिक स्थिरता और वैश्विक विश्वास को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। आधुनिक विश्व में स्थायी विजय युद्ध से नहीं, संवाद और संतुलित कूटनीति से ही प्राप्त होती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूढ़ते हैं दोष

संकलित
दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला। वास्तव में दूसरे के दोष देखने का अधिकार उसी को है, जिसमें वह बुराई न हो।

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

संकलित
प्रेरणा

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

होर्मुज संकट : विश्व आर्थिकी के लिए बढ़ता खतरा

अमरीका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है। यदि यह समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था प्रभावित होगी। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। प्रतिदिन दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। जहाजों की आवाजाही अगर बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना स्वाभाविक है। *- संकेत अग्रवाल, धमतरी*

ट्रेंड

अदम्य कौशल

भारतीय महिला क्रिकेट के एक नए दौर की शुरुआत। इंग्लैंड के खिलाफ आज का टेस्ट मैच जीतने के लिए हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। यह भारतीय महिला क्रिकेट के अदम्य कौशल का प्रतीक है।
- **अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

डबल-इंजन' सरकार

भारत सरकार पश्चिम बंगाल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। 'डबल-इंजन' सरकार कदम-से-कदम मिलाकर और कंधे-से-कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल को तरक्की और विकास के मामले में देश में नंबर वन बनाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी।
-**शिवराज सिंह चौहान**, केंद्रीय कृषि मंत्री

शिक्षा व्यवस्था

भ्रष्ट, अन्यायपूर्ण, पक्षपाती और बेईमान - ये चार शब्द मेरे नहीं हैं, बल्कि देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। सच तो यह है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब जबरन वसूली का एक बेईमान ज़रिया बन गई है।
- **राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

सीजेपी का जंतर-मंतर पर कई दिनों से विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। सोनम वांगचुक वहां कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हम उनकी मांगों का समर्थन करते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

करंट अफेयर

यूरोप में भीषण गर्मी भौंरों के लिए साबित हो रही जानलेवा

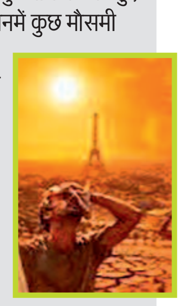

संभव है कि गर्मियों के महीनों में आपको अपने आस-पास फुटपाथ पर मरे हुए भौंरे (बम्बलबीज) दिखाई दें। इसके पीछे कई कारण हैं जिनमें कुछ मौसमी और काफी हद तक इंसानी गतिविधियां हैं। भौंरे सामाजिक होते हैं और कॉलोनियों में रहते हैं। इन कॉलोनियों को बहुत सक्रिय मजदूर भौंरें चलाते हैं, जिनकी उम्र बहुत छोटी यानी चार से छह हफ्ते की होती है। इसका अभिप्राय है कि काफ़ी कम समय में ही बूढ़े होकर ये भौंरें मर जाते हैं और कॉलोनी में बीमारी फैलने से रोकने के लिए, स्वस्थ युवा मजदूर भौंरे मरे हुए भौंरों को बाहर निकालकर कॉलोनी से काफ़ी दूर ले जाते हैं। एक और वजह मौसम है। 2026 में इंग्लैंड में जून का महीना अब तक का सबसे गर्म रहा (और पूरे ब्रिटेन के लिए यह दूसरा सबसे गर्म महीना था) और इस गर्मी में तापमान के और भी ज्यादा रहने की आशंका है। इस तरह की अत्यधिक गर्मी से भौंरों में तनाव पैदा होता है। लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से उनके विकास पर असर पड़ता है और उनकी आबादी की लंबे समय की स्थिरता खतरे में पड़ जाती है। भीषण गर्मी का नकारात्मक असर इन भौंरों के प्रजनन, उड़ने और भोजन की तलाश करने की क्षमता पर भी पड़ता है।

ऑफ बीट

साइकिल चलाना पैदल चलने से चार गुना ज्यादा प्रभावी

साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं। लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव-यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है। लेकिन यह सरलता एक ऐसी इंजीनियरिंग को छिपाए हुए है, जो मानव शरीर की संरचना और क्रिया प्रणाली से बिल्कुल मेल खाती है। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है और हर कदम पर खुद को संभालते हैं। हमारे पैरों को हर कदम पर एक बड़े दायरे में आगे बढ़ाना पड़ता है, हर कदम पर पैरों को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर उठाना पड़ता है। सिर्फ इस क्रिया में ही शरीर की बहुत सारी ऊर्जा खर्च होती है। साइकिल पर, आपके पैर बहुत छोटी गोलाकार गति में घूमते हैं। हर क्रिया पर अपने पूरे पैर का वजन उठाने के बजाय, आप बस अपनी जांघों और पिंडलियों को एक संकुचित पैडल वाली साइकिल पर घुमाते हैं। इस वजह से शारीरिक ऊर्जा की बचत तुरंत महसूस होती है। लेकिन असली दक्षता यह है कि मानव ताकत ऐसी ऊर्जा में बदल जाती है जो साइकिल को आगे बढ़ाती है।

Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है।
मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

पुराने जोड़ों के दर्द का असरदार ईलाज,
यह कोई Temporary Pain Killer
नहीं आयुर्वेदिक औषधि हैं
घुटना दर्द | गर्दन दर्द | कलाई दर्द | कमर दर्द
Helpline : 7876977777 | www.drorthooil.com | Available at all medical & general stores

तुम्बाड 2 का हिस्सा बनने पर हुईं ट्रोल...

मुंबई। तुम्बाड 2 के मेकर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट करके बताया कि फिल्म में आलिया भट्ट भी एक अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म में आलिया की कास्टिंग सोशल मीडिया यूजर्स को पंसद नहीं आई, इस वजह से एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बाद फिल्म 'तुम्बाड 2' से आलिया भट्ट भी जुड़ गई हैं। इस हॉरर-थ्रिलर फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म से जुड़कर आलिया भट्ट भी काफी खुश हैं। लेकिन, पहली फिल्म 'तुम्बाड'को पसंद करने वाले फैंस दूसरे पार्ट में आलिया की कास्टिंग से नाराज नजर आ रहे हैं। वह मेकर्स के डिसीजन को गलत बता रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने आलिया भट्ट को तुम्बाड 2 का हिस्सा बनने पर कई वजहों से ट्रोल किया है। एक यूजर ने लिखा, आलिया से तुंबाड 2 को बचाओ। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, फिल्म 'तुंबाड' अपनी कहानी कहने के अंदाज, विजन और उन कलाकारों के जबरदस्त काम की वजह से एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिन्हें बॉलीवुड के बड़े कैंप्स का सपोर्ट नहीं था।

1957 में आई इस ब्लॉकबस्टर के क्लाइमेक्स के हुए थे 104 रीटेक

नई दिल्ली। इंडियन सिनेमा की कई ऐसी फिल्में है जिनका नाम आज भी बेस्ट फिल्मों में गिना जाता है। आज हम आपकोएक ऐसी ही 69 साल पहले आई ब्लॉकबस्टर फिल्म के बारे में बता रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया था बॉलीवुड के महान एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर गुरु दत्त ने। इस फिल्म के पूरे होने से पहले एक ऐसी खबर आई थी जिसने हर किसी को हैरान कर दिया था। ये खबर थी गुरु दत्त की सुसाइड की कोशिश की।

मजबूरी में एक्टिंग की थी

गुरु दत्त ने डायरेक्शन के साथ-साथ एक्टिंग भी की थी। पर क्या आप जानते हैं कि गुरु दत्त ने मजबूरी में फिल्म में एक्टिंग की थी। हुआ कुछ ऐसा था कि गुरु दत्त फिल्म में दिलीप कुमार को लेना चाहते थे। उन्होंने दिलीप कुमार से मुलाकात भी। दिलीप कुमार ने फिल्म के लिए हां भी कर दिया था।फिल्म के लिए दिलीप कुमार ने अपनी फीस डेढ़ लाख रुपए बताई थी।

दिलीप कुमार को कास्ट करना चाहते थे

फीस सुनने के बाद गुरु दत्त ने दिलीप कुमार से फीस कम करने का अनुरोध किया था। फीस कम करने की बात पर दिलीप कुमार ने गुरु दत्त से कहा कि उन्हें पैसों की चिंता करने की जरूरत नहीं है। चूंकि वो इस फिल्म का हिस्सा हैं, तो उनकी जान-पहचान वाले डिस्ट्रिब्यूटर्स फिल्म को ले लेंगे। इसपर गुरु दत्त ने कहा कि उनके जान पहचान के भी कुछ डिस्ट्रिब्यूटर्स हैं जिससे उन्होंने प्यासा का कमिटमेंट कर लिया है।

जान लेने की कोशिश की थी।

फिल्म की शूटिंग पूरे जोश से चल रही थी, लेकिन जब ये फिल्म पूरी होने वाली थी उसी वक्त मीडिया में एक हैरान करने वाली खबर आई थी। साल 1956 में फिल्म की शूटिंग अपने फाइनल स्टेज में थी और गुरु दत्त ने अपनी जान लेने की कोशिश की थी। हालांकि, बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी जान बचाई गई।

निजी जीवन में भी परेशानियां चल रही थीं : *गुरु दत्त जब इस फिल्म का शूट कर रहे थे, उनके निजी जीवन में भी परेशानियां चल रही थीं। गुरु दत्त और उनकी पत्नी गीता के बीच लड़ाई-झगड़े और दोनों के रिश्ते में दूरियां डायरेक्टर को परेशान कर रही थीं। इसका असर फिल्म के प्रोडक्शन में भी दिखा। कहा जाता है कि गुरु दत्त लगातार शूट करते रहते थे। इस फिल्म के क्लाइमेक्स का गुरु दत्त ने 104 बार रीटेक किया था। 104 रीटेक के बाद फिल्म का क्लाइमेक्स फाइनल हो पाया था।*

1957 की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं उसका नाम है प्यासा। ये फिल्म गुरु दत्त के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक थी। आईएमडीबी के मुताबिक, प्यासा साल 1957 की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में गुरु दत्त ही लीड रोल में नजर आए थे।

जब शूटिंग पर नहीं पहुंचे दिलीप कुमार

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बातचीत के बाद भी दिलीप कुमार ने कहा कि वो शूटिंग पर आएंगे। हालांकि, जब फिल्म की शूटिंग शुरू होनी थी, उस दिन दिलीप कुमार सेट पर ही नहीं पहुंचे। गुरु दत्त ने किसी को दिलीप कुमार के घर भेजा, वहां जाकर पता चला कि दिलीप कुमार घर पर हैं ही नहीं। इसके बाद पता चला कि जिस कंपाउंड में प्यासा की शूटिंग होनी थी, उस कंपाउंड में नया दौर की शूटिंग चल रही है और दिलीप कुमार वहां पर हैं। गुरु दत्त ने दिलीप कुमार को मैसेज भिजवाया कि सब लोग सेट पर उनका इंतजार कर रहे हैं। दिलीप कुमार ने कहा कि वो 10 मिनट में आएंगे सेट पर, लेकिन दिलीप कुमार फिर भी नहीं आए। इसके बाद गुरु दत्त ने खुद इस फिल्म में एक्टिंग करने का फैसला लिया।

अनुराग ने की मलयालम फिल्म की तारीफ

नई दिल्ली। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने मलयालम फिल्ममेकर अभिनव सुंदर नायक की फिल्म 'मुकुंदन उन्नी एसोसिएट्स' की तारीफ की है। उन्होंने कुछ दिन पहले ही इसे साल की बेहतरीन फिल्मों में से एक बताया था। अनुराग ने हाल ही में अभिनव के साथ उनके घर पर 2022 की इस मलयालम ब्लैक कॉमेडी फिल्म को देखा और बाद में एक शानदार रिव्यू में इसे जबरदस्त फिल्म बताया। अब अभिनव सुंदर नायक ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अनुराग कश्यप के घर पर एक दोपहर बिताई, जिसमें फिल्मों, इंडस्ट्री और अपनी हालिया डायरेक्टोरियल फिल्म 'मुकुंदन उन्नी एसोसिएट्स' पर बातचीत हुई। यह दिन मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

गोलमाल के 20 साल पूरे होने का मनाया जश्न...

मुंबई। मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने मंगलवार को अपनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'गोलमाल' के 20 साल पूरे होने पर खुशी जताई है। इसी के साथ अजय ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पुरानी तस्वीरें भी साझा की हैं। अजय ने 'गोलमाल' के इस सफर को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर कई मोशन वीडियो साझा किए हैं। इसी के साथ अजय ने लिखा कि दो दशक पहले शुरू हुआ यह सफर आज भी लोगों को उतनी ही हंसी और खुशी दे रहा है। उन्होंने फिल्म के किरदारों की कुछ मजेदार तस्वीरें भी साझा की हैं। अजय ने लिखा, 'गोलमाल शुरू किए हुए 20 साल हो गए और इसका मजा आज भी वैसा ही है।' फिल्म 'गोलमाल' में अजय देवगन के साथ तुषार कपूर, अरशद वारसी, शरमन जोशी, रिमी सेन और परेश रावल मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था। इसे नीरज वोरा ने लिखा था।

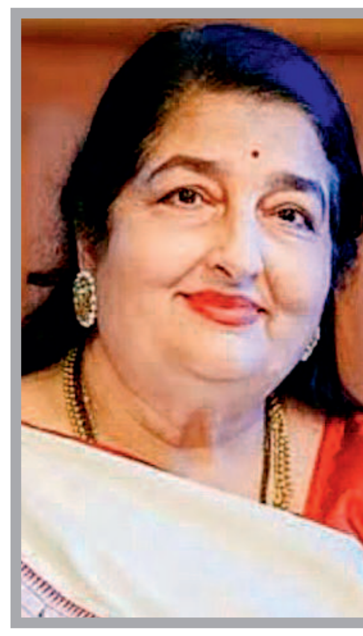

अनुराधा ने लता संग विवाद पर तोड़ी चुप्पी...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बेहतरीन सिंगर्स में से है अनुराधा पौडवाल की एक समय पर स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर से तुलना की जाती थी। इसी तुलना ने एक विवाद को जन्म दिया जिसमें कहा जाता था कि लता मंगेशकर ने अनुराधा को कभी आगे नहीं बढ़ने दिया। अब इस पर अनुराधा ने खुद चुप्पी तोड़ी है। एक बातचीत में उन्होंने कहा है कि वो मेरी गुरु जैसी हैं और गुरु की कोई बराबरी नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं मानती हूं कि गुरु की कोई बराबरी नहीं करता। गुरु को फॉलो किया जाता है, उनकी पूजा की जाती है। दूसरी बात लोगों की सोच ही ऐसी है, क्योंकि वे हमारी तुलना करते हैं, इसीलिए उनको ये सुनने में स्पाइसी लगता है कि उन्होंने मुझे आगे नहीं बढ़ने दिया'। उन्होंने कहा कि उनका आर्ट जिस बुलंदी पर था तो उस बुलंदी के नजदीक तो आना चाहिए ना, तब तो तुलना होगी।

कुमकुम के 24 साल पूरे, जूही ने साझा किया खास वीडियो

नई दिल्ली। मशहूर टीवी सीरियल 'कुमकुमः एक प्यारा सा बंधन' के प्रसारण को 15 जुलाई को पूरे 24 साल पूरे हो जाएंगे। इस खास मौके पर शो की मुख्य अभिनेत्री जूही परमार ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी और दर्शकों के प्रति आभार जाहिर किया है। जूही परमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह शो के मशहूर टाइटल ट्रैक पर नाचती नजर आ रही हैं। भावुक होकर उन्होंने लिखा, 'कुछ कहानियां कभी खत्म नहीं होतीं... वे बस लोगों के दिलों में जिंदा रहती हैं।' जूही ने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, '15 जुलाई को जब 'कुमकुम' के 24 खूबसूरत साल पूरे हो रहे हैं, तो मेरा दिल आभार से भरा हुआ है। यह सचमुच अद्भुत है कि इतने कई साल बाद भी आपका प्यार उतना ही गहरा और खास है।' जूही ने आगे लिखा कि आज भी फैंस के मैसेज, शो की यादें और टाइटल ट्रैक गुनगुनाना उन्हें यह एहसास दिलाता है कि यह सिर्फ एक टीवी शो नहीं था, बल्कि लोगों के परिवारों और दिलों का एक बेहद करीबी हिस्सा बन चुका था। इतने साल बीत जाने के बाद भी दर्शकों का प्यार इस शो के लिए बिल्कुल वैसा ही बना हुआ है। टीवी का लोकप्रिय शो 'कुमकुम' 15 जुलाई 2002 से 13 मार्च 2009 तक स्टार प्लस चैनल पर प्रसारित हुआ था। इस शो में जूही परमार ने कुमकुम और हुसैन कुवाजेरवाला ने सुमित की मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

कर्ण से लेकर अश्वत्थामा तक, कल्कि 2 में खुलेंगे अनसुने रहस्य, महाभारत से कनेक्शन पर अश्विन की दो टूक...

नई दिल्ली। साल 2024 में फिल्म कल्कि 2898 एडी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। माइथोलॉजिकल साइंस फिक्शन जॉनर वाली इस मूवी ने काफी लोकप्रियता हासिल की। प्रभास , अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे दिग्गज कलाकारों से सजी कल्कि का निर्देशन नाग अश्विन ने किया। लंबे समय से कल्कि 2 की चर्चा चल रही है। अब नाग ने अपनी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि कर्ण और अश्वत्थामा जैसे किरदारों को लेकर पार्ट में क्या खास देखने को मिलेगा। जब फिल्म कल्कि के पार्ट-1 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया तब से लेकर अब तक महाभारत से इसको जोड़े जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले पर हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान नाग अश्विन ने अपनी दो टूक राय रखी है और कहा है- महाभारत के संदर्भों के उन सभी पहलुओं को कल्कि 2 में खासतौर पर स्पष्ट किया जाएगा, जिन पर अभी सवाल उठ रहे हैं। पार्ट 2 का इंतजार कीजिए। पहले आप लोग पार्ट 2 को आने तो दो, इसके बाद ही पता चल पाएगा कि हमने क्लाइमैक्स में क्या और क्यों दिखाया गया। कृपया महाभारत को ध्यान से पढ़िए, मुझे हमारे इतिहास का अत्यंत सम्मान है और मैं जानता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं। बता दें कि कल्कि 2898 एडी के क्लाइमैक्स में भैरव (प्रभास) के कर्ण का पुनर्जन्म होने का खुलासा होता है, जिसके बाद वह अश्वत्थामा (अमिताभ बच्चन) के साथ मिलकर धर्म की रक्षा करता नजर आता है। हालांकि, असली महाभारत का सार इससे थोड़ा विपरीत माना जाता है।

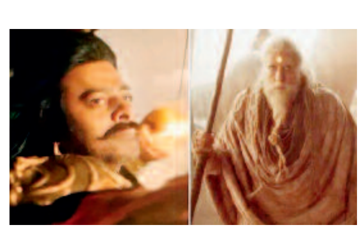

कल्कि 2 की शूटिंग जारी

इतना ही नहीं नाग अश्विन ने इस बात का भी खुलासा किया है कि कल्कि 2 में पहले से और ज्यादा बड़े एक्शन सीक्वेंस और मिथकीय ब्रह्मांड का विस्तार दर्शाया जाएगा। बता दें कि फिल्म हैदराबाद में फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है। माना जा रहा है कि अगले साल के अंत तक कल्कि 2 को मेकर्स रिलीज कर सकते हैं।

कौन करेगा दीपिका को रिप्लेस

कल्कि 2898 एडी में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सुमति का अहम किरदार अदा किया था। अब जब वह कल्कि 2 का हिस्सा नहीं हैं तो इस मामले को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है कि वह कौन सी अभिनेत्री होगी, जो कल्कि पार्ट 2 में दीपिका को रिप्लेस करेगी। इसको लेकर आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी अभिनेत्रियों के नाम भी सामने आए हैं, जिस पर अब नाग अश्विन ने तस्वीर साफ करते हुए कहा है- कल्कि 2 में सुमति के किरदार को कौन निभाएगा, इसकी घोषणा हमें करनी है। अभी जो कुछ भी चल रहा है, वह केवल अटकलें हैं। इतना तय है कि सुमति का किरदार कहानी का बेहद अहम हिस्सा रहेगा। नाग के इस बयान से साफ हो गया कि भैरव, सुप्रीम यास्किन (कमल हासन) और अश्वत्थामा के अलावा कल्कि 2 में कल्कि के किरदार को भी वरीयता दी जाएगी।

रायपुर विकास प्राधिकरण
https://rdaraipur.cgstate.gov.in
रायपुर में आपके सपनों का घर

बुकिंग की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026

आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्ड, डुप्लेक्स आवास, फ्लैट्स विक्रय हेतु उपलब्ध

क्रमांक .... ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक ....

विक्रय योग्य संपत्तियाँ

क्र.	योजना	संपत्ति का प्रकार	संख्या	संपत्ति का क्षेत्रफल प्रति वर्गफुट	संपत्ति का मूल्य
1	कौशल्या माता विहार (PCG RERA No.- 190618000236)	आवासीय भूखण्ड दर ₹2395/- प्रति वर्गफुट	10	822.4-6956.90	₹19,69,648 से ₹1,66,61,776/-
		व्यावसायिक भूखण्ड - सेक्टर लेवल दर ₹3993/- प्रति वर्गफुट	6	757.07-788.70	₹30,22,981 से ₹31,49,279/-
		डुप्लेक्स रो हाऊस	1	615.36	₹25,95,655/-
		एल.आई.जी. फ्लैट्स (3BHK) सेक्टर-13	71	645	₹20,90,000/-
		एल.आई.जी. फ्लैट्स (2BHK) सेक्टर-2, 4, 8A	15	493	₹14,10,000/-
		एल.आई.जी. फ्लैट्स (3BHK) सेक्टर-1,4, 7A, 8A, 10	19	645	₹16,85,000/-
2	रावांभाटा ट्रांसपोर्ट नगर	व्यावसायिक भूखण्ड दर ₹2323/- प्रति वर्गफुट	10	538.2-2152.8	₹12,50,239 से ₹50,00,954/-

महत्वपूर्ण सूचना
यह विक्रय आरक्षित श्रेणी (तृतीय लिंग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं डिफेंस) में निविदा हेतु अंतिम अवसर है:-
इस विज्ञापन के द्वारा विक्रय नहीं होने पर सामान्य कोटा (खुली बिक्री) हो जायेगा।

महत्वपूर्ण तिथियां
निविदा जारी करने की तिथि : 07/07/2026
निविदा फॉर्म वेबसाईट पर उपलब्ध होने की अंतिम तिथि : 31/07/2026
पूर्ण रूप से भरी गई निविदा ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि : 31/07/2026 रात्रि 12:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 04/08/2026

1. संपत्तियों का आबंटन निविदा के माध्यम से होगा। निविदा के नियम एवं शर्तें, उपलब्ध संपत्तियों का विवरण, निर्धारित ऑफसेट दर तथा आवेदन की जानकारी प्राधिकरण की वेबसाईट - **https://rdaraipur.cgstate.gov.in** में उपलब्ध है। समस्त निविदा ऑनलाईन के माध्यम से स्वीकार की जायेगी।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपए 500/- + 18% GST है। जिसका भुगतान निविदा की धरोहर राशि के साथ ऑनलाईन भुगतान करना होगा।
3. निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र संपूर्ण रूप से भरा हुआ होना चाहिये, प्रपत्र में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर निविदा निरस्त कर दी जाएगी, जो कि निविदाकर्ता की ही संपूर्ण जवाबदारी होगी।
4. प्राप्त मान्य निविदाओं में उच्चतम निविदा को उक्त संपत्ति हेतु आबंटन किया जायेगा।
5. निविदा प्रस्तुत हो जाने के पश्चात् प्रस्तुत निविदा वापसी/परिवर्तन से संबंधित कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं होगा तथा प्राप्त निविदा को निविदा प्रक्रिया में शामिल माना जावेगा तथा निविदादाता द्वारा प्रस्तुत निविदा यदि सफल होती है तो निविदाकर्ता द्वारा आबंटन स्वीकार न करने पर धरोहर राशि राजसात कर ली जावेगी।
6. प्राधिकरण द्वारा भविष्य में निविदाकर्ता द्वारा संलग्न दस्तावेज के परीक्षण पर नियमानुसार पात्रता नहीं होने पर प्राधिकरण को आबंटन निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
7. सफल निविदाकर्ता द्वारा आबंटन आदेश में उल्लेख के अनुसार निर्धारित समय अवधि में राशि जमा करनी होगी अन्यथा प्राधिकरण द्वारा धरोहर राशि राजसात कर ली जावेगी।
8. निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें सतर्कता पूर्वक पढ़ कर ही आवेदन करें।

अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी

रायपुर विकास प्राधिकरण
भक्त माता कर्मा कॉम्प्लेक्स, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492006
वेबसाईट - https://rdaraipur.cgstate.gov.in, टोल फ्री नं. - 1800-233-7188
जागो ग्राहक जागो
टीप :- रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा संपत्ति विक्रय के लिए किसी एजेंट/ब्रोकर की नियुक्ति नहीं की गई है। इच्छुक आवेदक संपत्ति क्रय/खरीदने के लिए सीधे कार्यालय के मार्केटिंग शाखा से संपर्क करें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित
मौसम – खरीफ 2026
फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ!
HDFC ERGO

अधिसुचित फसलें:
खरीफ: धान असिंचित, धान सिंचित, उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटुकी, मक्का, अरहर/तुअर, रागी, सोयाबीन

जरूरी दस्तावेज:
• नवीनतम आधार कार्ड कॉपी (पंजीयन केन्द्र पर दिखाने के लिए) • नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी–1, पी–2) की कॉपी • बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो • फसल बुवाई प्रमाण–पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र • किसान का वैध मोबाईल नंबर • बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र।

• किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि **31.07.2026** से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
• योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृषि अधिकारी/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं एचडीएफसी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम खरीफ 2026 के अन्तर्गत जिलावार/फसलवार बीमित राशि एवं कृषक द्वारा देय प्रीमियम राशि (रु./हे.)
(खरीफ 2026 मौसम के अन्तर्गत एचडीएफसी एर्गो को अधिकृत जिलों के अधिसूचित फसलों में बीमा के लिए देय प्रीमियम दर बीमित राशि का 2%)

स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटों के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें:
• राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ • लोक सेवा केन्द्र (CSC)
• भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। • जिला/विकसखण्ड/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय • शिकायत निवारण पोर्टल टोल फ्री नम्बर 14447

फसल बीमा माह 1-31 जुलाई, 2026
फसल बीमा सप्ताह अब बना फसल बीमा माह

टोल फ्री नंबर: 14447 ई–मेल: pmfby.chhattisgarh@hdfcergo.com वेबसाइट: https://pmfby.gov.in/farmer
70655 14447

नियम एवं शर्तें लागू. एचडीएफसी अर्गो जनरल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड. आईआरडीएआई रजि. नं. 146, CIN: U66030MH2007PLC177117. पंजीकृत व कार्पोरेट कार्यालय: 6वीं मंज़िल, लीला बिजनेस पार्क, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पू.), मुंबई – 400059. जोखिम घटकों, नियमों व शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया बिक्री के समापन से पूर्व सेल्स ब्रोशर/प्रॉसपैक्टस को पढ़ लें. UIN: HDFC ERGO Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY) - IRDAN125RP0003V01201617. UID: 19627.

सुरता

डा.गीतेश कुमार

पंडवानी विधा ल जन जन म बगरइस पद्म विभूषण तीजन बाई

देश-विदेश म पंडवानी के माध्यम ले अपन एक अलगे पहिचान बनइया तीजन बाई के जनम छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला के गनियारी गांव म 24 अप्रैल 1956 म एक ठन पारधी परिवार म होइस। जीव-जंतु मन के शिकार करना पारधी समुदाय के काम रहाय। उंकर पिता के नाम हनुक लाल पारधी अउ महतारी के नांव सुखमती देवी रिहिस। छत्तीसगढ़ के लोक परब तीजा के दिन जनम होय के सेति वोकर नांव तीजन बाई रखे गिस। परिवार म गरीबी रिहिस। नानपन अब्बड़ अभाव म बीतिस। तीजन बाई पढ़ाई नइ कर पाइस पर अपन मिहनत अउ दृढ़ इच्छाशक्ति ले पंडवानी के माध्यम ले दुनिया म राज करिस ।

तीजन बाई ह नौ बछर के उमर म अपन चचेरा नाना बृज लाल पारधी ल पंडवानी गावत सुनिस। वोकर मन पंडवानी कोति रमगे अउ अपन नाना ले पंडवानी सीखे बर चालू कर दिस। बारह बछर के उमर म बिहाव होगे। जब तीजन बाई ह मंच म पंडवानी गायन चालू करिस त परिवार अउ समाज म अब्बड़ विरोध होइस। तेरह बछर के उमर म जब वोहा मंच म पंडवानी के गायन करत रिहिन त वोकर बाबूजी ह नंगत भड़क के प्रस्तुति ल रोके बर बोलिस पर तीजन बाई नइ मानिस। येला अपन कला के अपमान मानिस अउ अपन बाबू जी ल किहिस आज ले तोर मोर कोनो नता नइ हे। अइसन परिस्थिति म तीजन बाई ल खुद के घर से निकाल देय गिस। कलाकारी के कारण वोकर पहिली शादी टूटगे। दूसरा बिहाव ह घलो सफल नइ होइस। तीन जीवन साथी मन वोकर संग छोड़ दिस। अपन दू बेटा अउ एक झन गोद बेटा ल घलो खो दिस पर विपरीत परिस्थिति म घलो अपन कला ल नइ छोड़िस।

पहिली सार्वजनिक कार्यक्रम चंदखुरी म : तीजन बाई सन 1973 म पंडवानी गायन के शुरुआत करिन। पहिली सार्वजनिक कार्यक्रम चंदखुरी म होइस। येकर आयोजन मालगुजार भूषण लाल देशमुख ह करे रिहिन।

हबीब तनवीर ले भेंट फेर जिनगी म बदलाव:

तीजन बाई के भेंट भोपाल म देश के जाने-माने रंगकर्मी हबीब तनवीर ले होइस। तनवीर जी कला के पारखी रिहिन। वोहा तीजन बाई के प्रस्तुति ले अब्बड़ प्रभावित होइस अउ तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ले तीजन बाई के भेंट कराइस। इंदिरा गांधी घलो तीजन बाई के गायन शैली ल खूब पसंद करिन। येकर बाद फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल ह तीजन बाई के अद्भुत शैली ल देखके अपन टीवी धारावाहिक '' भारत एक खोज'' म पंडवानी गायन बर नेवता दिस।

भिलाई स्टील प्लांट म नौकरी : वोकर प्रतिभा के कदर करके भिलाई स्टील प्लांट म सरकारी नौकरी दे गिस। येकर ले उंकर जिनगी के गाड़ी बने चले लगिस अउ निश्चिंत होके देश के संगे संग विदेश म घलो पंडवानी के प्रस्तुति दे लगिस। बछर 1985 म फ्रांस म होय भारत महोत्सव म अपन विशिष्ट शैली ले धूम मचा दिस। तीजन बाई भले निरक्षर रिहिन पर वोहा पंडवानी के डाक्टर रिहिन। बछर 2003 म बिलासपुर विश्व विद्यालय अउ 2006 म रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर ह डी. लिट के मानद उपाधि ले सम्मानित करिन। पंडवानी के डाक्टर तीजन बाई ह 5 जुलाई 2026 के ये दुनिया ल छोड़ के चले गिस। उत्कृष्ट पंडवानी गायन बर तीजन बाई भारत सरकार द्वारा बछर 1987 म पद्मश्री, 2003 म पद्मभूषण, फुकुओका सम्मान, जापान (2018), पद्म विभूषण 2019, संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप सम्मान 2022 ले सम्मानित होय रिहिन हे। पंडवानी महर्षि वेदव्यास रचित महाभारत कथा के छत्तीसगढ़ी लोक रुप हरे।

संस्कृति

डा. पी सी लाल यादव

जगन्नाथ परब और महाप्रसाद

महाप्रसाद जगन्नाथ जी के मंदिर में मिलने वाला प्रसाद है जो चावल से बना होता है। जब लोग जगन्नाथ पुरी की यात्रा करते हैं तो महाप्रसाद अवश्य लाते हैं तथा किसी न किसी के साथ महाप्रसाद अवश्य बदते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि अन्य देवी देवताओं व मंदिरों में चढ़ने वाली सामग्री को प्रसाद कहा जाता है, जबकि जगन्नाथ जी का प्रसाद ही महाप्रसाद कहलाता है। यहां भी जगन्नाथ जी की लीला, रूप और रथ यात्रा में अनोखेपन होने की तरह महाप्रसाद में भी अनोखा पल दृष्टिगोचर होता है। महाप्रसाद तो छत्तीसगढ़ी लोकजीवन का सांस्कृतिक आधार है, जिसमें परस्पर प्रेम और आत्मीय मित्रता की दैवीय महिमा लोगों को नेह और अनुराग के सूत्र में बांधती है। इस दृष्टि से भी रथ दूज का अपना सांस्कृतिक महत्व है।

छत्तीसगढ़ की जगन्नाथपुरी शिवरीनारायण

परंपरा

डा . अशोक आकाश

शिवरीनारायण छत्तीसगढ़ का मुख्य तीर्थ स्थल है इसे छत्तीसगढ़ की जगन्नाथपुरी भी कहा जाता है। जो मान्यता विश्व स्तर में पूरी के जगन्नाथ धाम को प्राप्त है वही मान्यता हमारे छत्तीसगढ़ में शिवरीनारायण को प्राप्त है। प्राचीन काल में भगवान जगन्नाथ जी तीनों विग्रह के साथ यही विराजमान रहे, किंतु कालान्तर में उन तीनों विग्रहों को जगन्नाथपुरी ले जाया गया। शिवरीनारायण का यह धार्मिक स्थल छत्तीसगढ़ के जन-जन में आस्था का केंद्र-बिंदु है। कहा जाता है कि यहां भगवान जगन्नाथ गुप्त रूप में निवास करते हैं। भगवान जगन्नाथ स्वामी के प्रति हम छत्तीसगढ़ियों की आस्था का प्रतिफल है यहाँ दूज डोल यानी रथ दूज छत्तीसगढ़ का मुख्य त्यौहार है ।

शिवरीनारायण धाम हिंदुओं के धार्मिक आस्था के प्रतीक चार धाम उत्तर में बद्रीनाथ, दक्षिण में रामेश्वरम, पूर्व में जगन्नाथ पुरी और पश्चिम में द्वारिका धाम की तरह ही एक धाम है जो कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 120 किलोमीटर की दूरी पर महानदी अर्थात चित्रोत्पला, शिवनाथ नदी और जोंक नदी के संगम स्थल पर स्थित है। इसे छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है। यहाँ भगवान श्री राम वनवास के दौरान माता सीता के हरण के बाद भाई लक्ष्मण के साथ माता सीता को वन-वन ढूंढते हुए पहुँचे थे।

माता शबरी की साधना और तपस्या के फलस्वरुप भगवान श्री राम जी को मतंग ऋषि की भविष्यवाणी को सार्थक करने एक दिन आना ही पड़ा। माघ पूर्णिमा और दूज डोल यानी रथदूज यानी रथ यात्रा यहाँ का मुख्य पर्व है। माघी पूर्णिमा में 3 दिन का पारंपरिक मेला स्नान दान पुण्य और उपासना से हिन्दुत्व का जयघोष होता है, छत्तीसगढ़ के कोने कोने से लोग यहां पहुंचते हैं। शिवरीनारायण अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ फल फूल रहा है इसे राज्य शासन द्वारा धर्मनगरी घोषित कर दिया गया है। छत्तीसगढ़िया रीति नीति के लिए चर्चित यह तीर्थ स्थल अपने मंदिरों की निर्माण कला, भव्यता एवं चमत्कृत कर देने वाले नक्काशी के कारण विश्व प्रसिद्ध हो सकता है। यहाँ का राम नाम बैंक विश्व प्रसिद्ध है, भगवान श्री राम के भक्तों द्वारा लिखी गई राम नाम पत्रिका का विशाल संग्रह दर्शनीय है। शिवरीनारायण नगरी हर युग में अपने अलग-अलग नामों के साथ वैश्विक पहचान बनाती रही है , सतयुग में इसे बैकुंठपुर,त्रेता युग में रामपुर, द्वापर युग में विष्णुपुर एवं नारायणपुर के नाम से इन्हें ख्याति मिली थी। मतंग ऋषि के गुरुकुल आश्रम और माता शबरी की तपःस्थली, भगवान जगन्नाथ का निवास स्थान होने के कारण इसे तीर्थ का दर्जा प्राप्त है।

धार्मिक

घनश्याम सिंह नाग

बड़े डोंगर में उत्साह के साथ मनाया जाता है रथ यात्रा पर्व

अभिलेखीय प्रमाण से ज्ञात होता है कि काकतीय वंश के चतुर्थ पीढ़ी के राजा पुरुषोत्तम देव हुए, उनकी राजधानी बड़े डोंगर थी। राजा पुरुषोत्तम देव ने पेट के बल चलते हुए जगन्नाथ पुरी की यात्रा की थी तथा भगवान को द्रव्य, रत्न आदि भेंट किए थे। भगवान जगन्नाथ जी प्रसन्न होकर पुरी के राजा को स्वप्न में आदेश दिया कि बस्तर से मेरा परम भक्त आया है, उनको सम्मान के साथ रथ भेंट करें। भगवान के आदेश का पालन करते हुए पुरी के राजा ने रथ भेंट कर पुरुषोत्तम देव को सम्मानित किया। पुरी में कुछ दिन व्यतीत करने के पश्चात पुरुषोत्तम देव रथ लेकर बस्तर वापस आए और अपनी राजधानी में रथ परिचालन कर रथयात्रा पर्व का शुभारम्भ किया। तब से यहां रथ यात्रा पर्व श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। यह परंपरा राजधानी बदलने के साथ बड़े डोंगर से ग्राम बस्तर होते जगदलपुर चली गई और रथ यात्रा का पर्व यहां होने लगा, जो गोंचा तिहार के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

तीज तिहार: डा. ज्योति किरण चंद्राकर

अंचल में रथ यात्रा का महत्व

रथ यात्रा का त्यौहार जगन्नाथ पुरी की तरह छत्तीसगढ़ अंचल में आसाढ़ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया को सामूहिक रूप से सभी जाति के लोगों द्वारा मनाया जाता है। इस दिन लोग घर में चना मूंग भीगाकर उसमें गुड़ मिलाकर जगन्नाथ जी में भोग लगाकर कृष्णजी की आरती श्रद्धापूर्वक करते हैं। गांव तथा शहरों में इस पर्व को धूमधाम से मनाई जाती है। रथ यात्रा के दिन रथ में भगवान कृष्ण, बलभद्र व सुभद्रा तीनों एक साथ बैठे होते हैं। रथ की झांकी को पूरे शहर में भ्रमण कराया जाता है। आसपास के गांव से श्रद्धालु एकत्रित होकर रथ खींचकर धार्मिक भावना व्यक्त करते हैं। गजामूंग प्रसाद का वितरण किया जाता है। रथ यात्रा के दिन बहू लाने, बेटी विदा करने, गोद भराई, गृह प्रवेश और नया व्यवसाय जैसे शुभ कार्य करते हैं। पूर्व समय में लोग मित्रता गहरा करने के लिए गजामूंग बदना करते थे। गजामूंग बदने वाले लोग एक दूसरे का नाम न लेकर सीताराम गजामूंग कह कर अभिवादन करते थे।

ऐतिहासिक

डा. मुक्ति बैस

पुरी की तरह बदली जाती है मूर्तियां

रायपुर शहर के पुरानी बस्ती का जगन्नाथ मंदिर लगभग पांच सौ वर्ष पुराना माना जाता है। इसी तरह सदर बाजार स्थित मंदिर को दो सौ वर्ष पुराना बताया जाता है। पुरी की तरह यहां के अन्य ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिरों में हर बारह वर्ष बाद मूर्तियों को बदलने की परम्परा है। मूर्तियां बदलने के बाद पुरी से मंगाई मूर्तियों को पूजा अर्चना के बाद प्रतिष्ठित किया जाता है। प्रति वर्ष 11पंडितों द्वारा हवन पूजन में चंदन, केशर, कस्तूरी और कपूर से भगवान को स्नान कराया जाता है। रथ यात्रा के दौरान ओडिशा से मंगाई गई पोशाक और गहनों से विशेष श्रृंगार किया जाता है। प्रति वर्ष भक्त यहां के मंदिरों में रथ यात्रा में शामिल होकर रथ खींचने के लिए आते हैं। भक्तों को अंकुरित चना और मूंग का प्रसाद वितरण किया जाता है।

मास विशेष :डा.राघवेन्द्र कुमार 'राज'

हरियाली की छटा आषाढ़ मास में

छत्तीसगढ़ की दिव्य भूमि में प्रकृति की अलौकिक छटा देखी जा सकती है। 'छत्तीसगढ़' प्रकृति की गोद में पला -बढ़ा सा जान पड़ता है।तब लोकधरा गा उठती है-

झुमर -झुमर के बरसे बरखा,
रिमझिम- रिमझिम पानी गा।
चुचवावय ओढ़वाती भइया,
अऊ भीजे खपरा छानी गा।
ओहो तता- तता के भाखा गुंजे,
चले सुघ्घर बबा के किसानी गा।

'आषाढ़' का सहज अर्थ यह है कि- जिसके आड़ में आस की पूर्ति हो। दूसरे शब्दों में पूर्वाषाढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के ऊपर और आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को चंद्र दोनों नक्षत्रों के मध्य रहता है। किसान खेतों में उम्मीद का बीज बोता है। उम्मीद की नींद में सोता है और

जागता है। तभी तो आषाढ़ का रौद्र रूप भी प्यारा लगने लगता है। तब नारायणलाल परमार की लेखनी जीवंत हो उठती है-

₹काले -काले बादल भी,
नभ में चले दहाड़ के।
आंधी इतराने लगी,
लगते ही 'आषाढ़' के।

'आषाढ़' लौकिक दृष्टि से ही नहीं अपितु अलौकिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा है। 'आषाढ़' मास कृष्ण पक्ष की 'संकष्टी चतुर्थी' -संतान सुख, आषाढ़ 'अमावस्या' -पितृदोष शांति, शुक्लपक्ष द्वितीया -भगवान जगन्नाथ की पावन रथकर्षण का सामीप्य सुख रथयात्रा, शुक्लपक्ष एकादशी- प्रचुर वृष्टि,सुख,धन-धान्य और पूर्णिमा तिथि - व्यास एवं गुरूपूजा का सौभाग्यवर्द्धक अवसर प्रदान करता है। आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 'संकष्टी चतुर्थी'। जिसे 'वक्रतुंडी चतुर्थी' भी कहा जाता है। आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी अर्थात 'देवशयनी एकादशी '।जिसे 'पद्मा एकादशी' भी कही जाती है। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि -उक्त तिथि में भगवान विष्णुजी समस्त देवताओं के साथ योग निद्रा में चले जाते हैं। इसलिए विवाह और शुभ कार्य निषेध होता है।

आषाढ़ पूर्णिमा- ऋषि पराशर के पुत्र और महर्षि वशिष्ठ के पौत्र वेदव्यास की चरण पूजा के लिए प्रख्यात है। आषाढ़ और माघ मास की नवरात्रि को 'गुप्त नवरात्रि' कही जाती है। 'आषाढ़' में तंत्र और शक्ति उपासना के लिए गुप्त नवरात्रि होती है। इसके अतिरिक्त मंगल, सूर्य, भगवान विष्णु के अलावा देवी उपासना का विधान है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

जैकेट के शेष

एआई से बनाई फर्जी .....

रायपुर लाया था। रेंजर ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से वनबल प्रमुख अरुण पाण्डेय को तस्करी की सूचना दी। इसके बाद वनबल प्रमुख के निर्देश पर संदीप सिंह, दीपक तिवारी तथा डिप्टी रेंजर संतोष सामंतराय के संयुक्त नेतृत्व में टीम गठित कर छापे की कार्रवाई की गई।

साय बोले- नक्सल हिंसा ....

गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा अभियानों की सतत समीक्षा, संसाधनों की उपलब्धता तथा केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया गया, जिससे अभियान को अपेक्षित गति मिली। राज्य सरकार ने सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ समाज के उन लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया, जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने की इच्छा व्यक्त की। पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता, भूमि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार तथा सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराए गए। इस चर्चा में गृहमंत्री विजय शर्मा, वनमंत्री केदार कश्यप, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव सहित अनेक लोगों ने नक्सल उन्मूलन की लड़ाई में योगदान की सराहना की। जबकि विपक्षी विधायक इस चर्चा में उपस्थित नहीं थे।

6.79 लाख परिवारों के राशनकार्ड बनाए : मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संतृप्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इसके परिणामस्वरूप 6 लाख 79 हजार परिवारों के राशनकार्ड बनाए जा चुके हैं। बस्तर संभाग में 17 लाख लोगों के जनधन खाते खोले जा चुके हैं। 24 लाख 66 हजार लोगों के आधारकार्ड बनाए जा चुके हैं। 22 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। 1 लाख 18 हजार लोगों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र प्रदान किए गए हैं। साथ ही 3 लाख 89 हजार किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जा चुके हैं। बस्तर संभाग में 1 लाख 76 हजार प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी 15 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं।

अभियान केवल सुरक्षा तक नहीं : मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा में कहा कि नक्सलवाद से मुक्ति का अभियान केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके साथ-साथ विकास को भी समान प्राथमिकता दी गई। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि जिन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो रही है, वहां शासन की योजनाएं और बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से पहुंचें, ताकि लोगों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन आए। अब राज्य सरकार का पूरा ध्यान बस्तर के समग्र, समावेशी और दीर्घकालिक विकास पर केंद्रित है।

डॉ. रमन हुए ....

विपक्ष के शामिल नहीं होने पर डॉ. रमन ने कहा, विपक्ष नक्सल के विरोध में सुनना नहीं चाहता, पता नहीं क्यों?

कश्यप के झलके ....

कश्यप ने कहा कि नक्सली निर्दयता से हत्या करते थे, ताकि आने वाली पीढ़ियों तक खौफ रहे। कभी बेटी के साथ, कभी बहू से रेप करते थे। सुनियोजित तरीके से दहशत फैलाने के लिए घटना को अंजाम दिया जाता था।

हमारा छग नक्सलमुक्त...

से झीरम में शामिल नक्सलियों को हमारी आर्म्ड फोर्सज ने न्यूट्रलाइज किया।

विपक्ष का अविश्वास ....

के जरिए नकटी में बुलडोजर कार्रवाई, प्रदेश की कानून व्यवस्था, किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और विभिन्न प्रशासनिक मामलों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। वहीं भाजपा सरकार अपनी योजनाओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक उपलब्धियों का पक्ष रखेगी।

राज्य गठन के बाद 10 वां अविश्वास प्रस्ताव : सदन में आज नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। राज्य गठन के बाद यह विधानसभा में लाया जाने वाला यह 10वां अविश्वास प्रस्ताव है। इससे पहले 9 बार सरकारों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में खुली जेल....

को अपने परिवार के साथ रहने के साथ कृषि, पशुपालन और अन्य आजीविका संबंधी गतिविधियों से जुड़ने की सुविधा मिलेगी।

दरवाजा तोड़ बाल संप्रेक्षण ....

के मॉनिटर पर पड़ी जिसमें बच्चे पीछे की ओर से भागते नजर आए। जब तक बाल सम्प्रेक्षण गृह प्रबंधन हरकत में आता बच्चे फरार हो चुके थे। इस घटना के बाद जिले में हड़कंप मच गया है। भागने वाले अपचारी बालकों के दुष्कर्म, हत्या, लूट, चोरी समेत विभिन्न धाराओं के तहत अपराधों में शामिल होने की बात कही जा रही है। बड़ी बात यह है कि इसके पर्व 23 जून को भी इसी बाल सम्प्रेक्षण गृह से 11 अपचारी बालक फरार हो गए थे, जिनमें से कुछ अभी तक फरार हैं।

पेज एक के शेष

बारिश होते ही ....

तक नहीं हो पाया है। तेज बहाव के चलते लोगों का नाला पार करना जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा का कहना है कि नाले पर लगभग दस फीट ऊंचाई वाली पुल बने, ताकि निकुम सहित अंचल के कई दर्जन गांव सहित बालोद जिलों के आस पास के ग्रामीणों को बरसात में राहत मिल सके।

शहर से लगे ....

शहर से गुजरने वाली शिवनाथ नदी के समीप ही ग्राम जंगलेश्वर स्थित है, यहां लगभग 5 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। अधिक बारिश होने पर उनका गांव टापू में तब्दील हो जाता है। इस गांव से आवागमन के लिए दे हैं, जहां पक्की सड़क तो बनी हुई है लेकिन अधिक बारिश होने पर सड़क के बीच आने वाला रपटा भर जाता है और सड़क डूब जाती है। इसके बाद गांव का कोई भी व्यक्ति सड़क के रास्ते गांव से बाहर नहीं आ सकता है।

तीन दशक से हो रही पुल की मांग : ग्राम जंगलेशर के लोगों की यह समस्या नई नहीं है। शहर से लगा हुआ गांव होने के बाद भी वर्षों से यहां के लोग वर्षा ऋतु के दौरान बदहाली में जीते आ रहे हैं। यहां के देवल साहू ने बताया कि लगभग 25-30 वर्षों से यहां पर पुल निर्माण की मांग की जा रही है लेकिन अब तक इसकी स्वीकृति नहीं मिली है। जिससे अधिक बारिश और बाढ़ की स्थिति में गांव के लोगों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो जाता है।

राजिम शहर के पथर्रा ...

और छुरा सहित अनेक गांवों का संपर्क मुख्य शहर से कट जाता है। लोग घंटों तक पानी उतरने का इंतजार करने को मजबूर हो जाते हैं। मरीज, विद्यार्थी, कर्मचारी और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले नागरिकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। स्थिति अब पहले से भी अधिक गंभीर हो गई है। इस मार्ग पर न्यायालय के पास भी सड़क के ऊपर पानी बहता है। न्यायालय आने वाले अधिवक्ताओं, पक्षकारों और आम नागरिकों को भी जलभराव के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पथर्रा नाले पर छोटा पुल बनाने की मांग कोई नई नहीं है। वर्षों से ग्रामीण, मोहल्लेवासी और शहरवासी लगातार इसकी मांग करते आ रहे हैं, लेकिन आज तक इस दिशा में स्थायी समाधान नहीं निकल सका। हर वर्ष बारिश आती है, पानी भरता है, आवागमन रुकता है और बारिश खत्म होते ही यह मुद्दा फिर ठंडे बस्ते में चला जाता है।

मानसून सक्रिय, होगी ....

पश्चिम बंगाल व सिक्किम में भी तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। उत्तर भारत में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी वर्षा की संभावना है।

ये लक्ष्य रह गया अधूरा...

'बॉटम-अप प्लानिंग' का पालन नहीं किया गया। ग्राम कार्ययोजनाएं तैयार किए बिना जिला योजनाएं बनाई गईं और राज्य कार्ययोजना तैयार ही नहीं हुई। शुरुआती दो वर्षों की देरी के कारण राज्य 6,480.04 करोड़ रुपये की संभावित केंद्रीय और राज्य हिस्सेदारी का उपयोग नहीं कर सका।

रिपोर्ट से सामने .....

सिफारिशों में कहा है कि यदि योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, परियोजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और सतत पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य प्रभावित हो सकता है।

होर्मुज में जहाज पर ....

से गुजरने के दौरान 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' नाम के दो पोत पर हुए हमलों को लेकर 'बेहद चिंतित' है। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों जहाजों के कुल 46 चालक दल के सदस्यों में से 30 भारतीय नाविक थे।

निवेशकों के डूब ....

विश्लेषकों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल के दाम में तेजी आई है और निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। साथ ही विदेशी पूंजी की निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये के 96 के स्तर से नीचे आने का भी बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा।

एआई से युवाओं के कौशल को मिलेगी नई दिशा : मंडाविया

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) युवाओं के कौशल विकास को नई गति देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने युवाओं और श्रमिकों से अपील की कि वे नई तकनीकों को जिम्मेदारी के साथ अपनाएं तथा नौकरी जाने के भय से ग्रस्त होने के बजाय अपने कौशल को समय के अनुरूप उन्नत करें। डॉ. मंडाविया मंगलवार को हैदराबाद में आयोजित ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम शिखर सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकें दुनिया भर में कार्य संस्कृति और उद्योगों में व्यापक बदलाव ला रही हैं। ऐसे समय में श्रमिकों के लिए नई तकनीकों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना बेहद आवश्यक है।

130 देशों के 60 हजार से अधिक खरीदार और प्रदर्शक हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े वैश्विक वस्त्र आयोजन 'भारत टेक्स 2026' का मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा, विभिन्न राज्यों के वस्त्र मंत्री, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विदेशी प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत टेक्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का परिणाम है, जो आज एक वैश्विक मंच के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष इस आयोजन में प्रदर्शकों, खरीदारों, विक्रेताओं और आगंतुकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस वर्ष 130 देशों से 60 हजार से अधिक खरीदार और प्रदर्शक इस आयोजन में भाग ले रहे हैं।

नाविकों की सुरक्षा रहेगी भारत की प्राथमिकताः जयशंकर

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया युद्ध के मध्य होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों में मारे गए कई भारतीय नाविकों के मामले के बाद भारत ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पुरजोर अंदाज में कहा कि वह एक मुक्त, खुली हुई, नियम आधारित समुद्री व्यवस्था के साथ ही नाविकों की सुरक्षा और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने जैसे मामलों को उचित प्राथमिकता दिलाने का प्रयास करेगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के मौजूदा दौर में समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

GOVT. OF MAHARASHTRA

Public Works (North) Division, Pune
New Administrative Building, First Floor, Pune -411 001.
e-mail- northpune.ee@mahapwd.gov.in Phone No. 020-26123305

E-TENDER NOTICE NO. 11 FOR 2026-2027 (Online)

The Executive Engineer, Public Works (North) Division, Pune - 411 001 (Telephone No. 020-26123305) invites tender in **SBD** based on item rates for following work through e-tendering process from contractors who fulfills terms and condinion mentioned in bid document.

Bid document can be download from website htpps://mahatenders.gov.in Right to reject any or all online bid of work without assigning any reasons thereof is reserved by competent authority. Conditional Tender will not be accepted.

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost Rs. Lakh
	1)Improvement to Daryaaghat Apatale Junnar Road, MDR-3 KM 21/00 to 24/000, Tal.-Junnar, Dist Pune.(Part-Junnar Chauk to Nirgude Phata) 2)Improvement to Borghar Tambe Belsar to Nirgude Phata Road, MDR 63 KM 19/00 to 21/200, Tal.- Junnar, Dist.-Pune. (Part- Nirgude Phata to Belsar) 3)Widening and Improvement to Don Hatwij Aambe Yenere Parunde to Mahalunge Padwal Kalamb Road, MDR-6 KM 29/000 to 35/000, Tal.Junnar, Dist Pune. (Part- Ralegan to Belsar) 4) Widening & Improvement to Ralegan Hivare tarf Minher to MDR 63 Road, MDR-237 KM 0/000 to 9/200, Tal.Junnar, Dist Pune. (Part- Ralegan to MDR 63).	Rs. 2420.52 lakh
	1)Widening & Improvement to Borghar Tambe Belsar to Nirgude Phata Road, MDR 63 KM 0/000 to 7/500, Tal.Ambegaon, Dist Pune. (Part- Borghar to Taluka Border) 2) Widening and Improvement to Dimbhe Borghar Ahupe Balvirwadi Kondhawal to NH-60 Spur Road, MDR 165 KM 15/000 to 31/00, Tal.Ambegaon, Dist Pune.(Part- Borghar to Kondhare 3) Widening and Improvement to NH-61 Spur Taleghar Phalode Mhalunge kushire Bk. Kushire Ku. Kondhare to MDR 165 Road MDR-239 KM 0/000 to 18/500, Tal.Ambegaon, Dist Pune.(Part- Taleghar to Kondhare) 4) Widening and Improvement to Dimbhe Borghar Ahupe Balvirwadi Kondhawal to NH-60 Spur Road, MDR 165 KM 66/000 to 70/00, Tal.-Ambegaon, Dist Pune.(Part- Kondhwal Waterfall to NH 60 Spur) 5)Widening & Improvement to NH 60 Spur Dehane Nayfad to Chikhali Phata NH 61 Spur Road, MDR-31 KM 0/000 to 9/00, Tal.Ambegaon/Khed, Dist Pune.(Part- NH 60 Spur Dehane to NH 61 Chikhali Phata) 6) Widening and Improvement to MDR 12 Supewadi Shinoli Gangapur to Thakarwadi Road, MDR 240 KM 0/000 to 1/500, Tal.Ambegaon, Dist Pune.(Part- MDR-12 to Supewadi) 7) Widening and Improvement to Wada Ghoda Road, MDR- 12 KM 0/000 to 4/500 Tal.Khed/Ambegaon, Dist Pune.(Part- Wada to MDR 240)	Rs. 8027.53 lakh
1	1) Improvement & Widening to Rakaswadi Uksan Pale NaneMaval Karanjgaon Kambre Valak Takave Kh to NH 48 connecting road MDR 229 km 19/000 to 25/500 Tal. Maval Dist -Pune 2) Improvement & Widening to Kamshet Nane Govitri Jambhavali Kondeshwar temple road MDR 78 km 2/900 to 11/200 Tal. Maval Dist -Pune 3) Improvement & Widening to MDR 78 to Nanesai Ghonshet Takave bk kondiwade Kivale Paritwadi Malegaon to Sawala MDR 108 km 0/00 to 13/00 Tal. Maval Dist -Pune 4) Improvement & Widening to MDR 78 to Nanesai Ghonshet Takave bk kondiwade Kivale Paritwadi Malegaon to Sawala MDR 108 km 19/700 to 32/00 Tal. Maval Dist -Pune 5) Improvement & Widening to MDR 78 to Nanesai Ghonshet Takave bk kondiwade Kivale Paritwadi Malegaon to Sawala MDR 108 km 32/00 to 43/00 Tal. Maval Dist -Pune 6) Improvement & Widening to NH 548D to Indori Nanoli Tarfe Chakan Ambi Mangrul Ambale Nigade Kalhat Bhoyare road MDR 227 km 7/000 to 24/00 (Ambi Phata to Bhoyre Phata) Tal. Maval Dist -Pune	Rs. 7636.57 lakh

E-Tender Time Table

1	E-tender Document Sale & Bid Submission Date and Time	Dt.15.07.2026 from 10.00 hrs.	30.07.2026 upto 18.15 hrs.
2	Place, Date & Time of Pre-bid Meeting	Office of the Chief Engineer, P.W. Region, Central Building, Pune Technical Point on dt. 20.07.2026 at 12.00 hrs.	
3	Place, Date & Time of Bid Opening of Technical & Financial Bid	Dt. 3.08.2026 at 11.00 hrs. in the Office of the Superintending Engineer, P.W. Circle, Pune (If Possible)	

All Information about e-teder are available in the following web sites-
1) www.mahapwd.gov.in (only Tender Notice)
2) htpps://mahatenders.gov.in
(Any Change in tender notice will be informed on the web sites)
3) Notice Board of Executive Engineer, P.W.North Division, Pune
(Note - Tenderers Bidding Capacity shall be ascertained as per Post Qualification Criteria)

(A.B.Bhosale)
Executive Engineer,
Public Work (North) Division,
Pune 411 001.

आरओसी-2026-27/क्र.-5/1699

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

आउटसोर्सिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा संख्याः टीआरटी-बीएसपी- 313-26-27-7, दिनांकः 06.07.2026.
कार्य का नामः बिलासपुर मंडल के बिलासपुर–झारसुगुड़ा खंड (चांपा–गेवरा रोड सहित) एवं खरसिया–धरमजयगढ़ खंड के पीएसआई परिसंपत्तियों के निवारक अनुरक्षण, निगरानी तथा मैनिंग कार्यों का 24 माह की अवधि हेतु आउटसोर्सिंग।
अनुमानित लागतः ₹ 10,43,68,709.77.
बयाना राशिः ₹ 6,71,900.00.

निविदा जमा करने की तिथिः 06.08.2026 के 15.00 बजे तक।

विस्तृत जानकारी, निविदा दस्तावेज की खरीदी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु कृपया **वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर** के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

मंडल विद्युत अभियंता(क.च.स्टा.)/ बिलासपुर
सीपीआर/10/पीएच/282
South East Central Railway @secrail

ADITYA BIRLA CAPITAL
FINANCE

Regd Office: Indian Rayon Compound, Veraval, Gujarat - 362 266 | (T) +91-22-6723 9101 | (Toll free) 1800 270 7000 | CIN: L64920GJ2007PLC058890 | www.adityabirlacapital.com

सूचना

सभी को सूचित किया जाता है कि 15 अक्टूबर, 2026 से
आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड, जगदलपुर शाखा
अपने निम्नलिखित परिसर को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा -

बंद होने वाले परिसर का पताः
तीसरी मंजिल, दलपथ सागर वार्ड,
बिनाका मॉल, चिरकोट रोड,
जगदलपुर, छत्तीसगढ़-494001.

आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड के लिये
अधोहस्ताक्षरी/-
स्थान : जगदलपुर
दिनांक : 15 जुलाई, 2026
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

फोन नं. 07752-273990 E-mail: cmomalhar@rediffimail.com

क्र./969/ ई–निविदा/न.पं./2026–27 मल्हार, दिनांक 14/07/2026

अष्ठम ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत मल्हार में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा (ई–टेंडर) हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के यूएसओआर दिनांक 01.06.2020, जल संसाधन विभाग के एसओआर 01.08.2022, लोक निर्माण विभाग के एसओआर (भवन व सड़क निर्माण कार्य) दिनांक 01.01.2015, तथा लोक निर्माण विभाग के एसओआर (विद्युत और यांत्रिकी) दिनांक 01.06.2020 फार्म–एच (लमसम दर) अंतर्गत ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.क्र.	सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का विवरण	ई–निविदा प्रारंभ की तिथि	ई–निविदा की अंतिम तिथि	निविदा दस्तावेज प्राप्त एवं परीक्षण तिथि	ई–निविदा खोलने की तिथि
1	195443	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, MALHAR under SBM 2.0 (RS 273.56 Lac) (form-H) (Lumpsum Rate) (8TH call	14.07.2026 17.30 बजे से	24.07.2026 17.30 बजे	28.07.2026 16.00 बजे	28.07.2026 17.00 बजे

निविदा में भाग लेने वाले ईच्छुक फर्म/ठेकेदार एवं कार्य से संबंन्धित अन्य समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in अथवा www.cg.uad.gov.in पर उपलब्ध है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मल्हार

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस), आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल, प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर, गुडगाँव, हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India Ministry of Corporate Affairs Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE) IICA Building, 7th Floor, Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar, Gurgaon, Haryana -122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके - 6
सार्वजनिक सूचना

{कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC / C-PACE/STK-2/248 (2)/2026-27/688 **दिनांकः 08/07/2026**

संदर्भः

1. कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (4) कम्पनियों का नाम **छत्तीसगढ** राज्य से हटाने के मामले मेंः

S.No	Work Item	CIN	Company Hindi Name
1	AC4053275	U80903CT2021PTC011297	अर्थाहोमट्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड
2	AC4229890	U52100CT2010PTC021939	कृतिका श्रीराम इन्फिनिटी प्राइवेट लिमिटेड
3	AC4074403	U74999CT2016PTC007370	नेटमज़ा टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
4	AC3842257	U70109CT2018OPC008840	शैलराज बिल्डकॉन (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।
3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।
4. यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकन तिर्की
उप पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0341/2627

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता–पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु — आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन — परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

वर्चुअल आउटरीच कार्यशाला

छत्तीसगढ़ सात राज्यों के प्रतिभागियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम के अंतर्गत 13 और 14 जुलाई को वर्चुअल आउटरीच कार्यशालाओं का आयोजन किया। जिसमें छत्तीसगढ़, पंजाब, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित सात राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को स्वयं के राजस्व स्रोतों को बढ़ाकर पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण, उद्देश्यों और कार्यान्वयन ढांचे से परिचित कराया गया। प्रतिभागियों को अपने संदेश में पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने पंचायती राज संस्थाओं से सतत राजस्व स्रोतों के निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों और नवोन्मेषी विचारों का उपयोग करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत पंचायती राज मंत्रालय द्वारा संचालित आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायतों के स्वयं के राजस्व स्रोतों (ओएसआर) को मजबूत करके उनकी वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

शब्द पहेली - 6287

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 6286 का हल

सूडोकु नवताल - 6297

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9		1			
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
	4							7

सूडोकु नवताल - 6296 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	3	6	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	6	1	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

MANGAL SENAPA, BANGALORE

खाद्य वस्तुओं के दाम चढ़ने से जून में थोक महंगाई बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खाद्य व गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से जून में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में यह 9.68 प्रतिशत के स्तर पर थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की गणना के लिए आधार वर्ष 2022-23 है। खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई जो मई में 3.60 प्रतिशत थी। गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 प्रतिशत रही जबकि खनिज श्रेणी में यह 9.45 प्रतिशत दर्ज की गई।

■ डब्ल्यूपीआई की गणना के लिए आधार वर्ष 2022-23 है

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि थोक मुद्रास्फीति के जून, 2026 के आंकड़े पर खनिज तेल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा।

प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में तेजी रही

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि जून में कुल थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि की मुख्य वजह प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में तेजी रही, जिसने ईंधन श्रेणी की मुद्रास्फीति में आई नरमी के असर को बेअसर कर दिया।

थोक महंगाई के नरम पड़ने के आसार

बोफा ग्लोबल रिसर्च में भारत और आसियान आर्थिक अनुसंधान के प्रमुख राहुल बजोरिया ने कहा कि 2026 की तीसरी तिमाही में थोक मुद्रास्फीति के नरम पड़ने के आसार हैं। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति भी जून में बढ़कर 17 महीने के उच्चस्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जबकि इससे पिछले महीने यह 3.93 प्रतिशत थी।

आरबीआई खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तय करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। सरकार ने दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ कुल मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर बनाए रखने का दायित्व सौंपा है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अपने अनुमान को पिछले महीने 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया था।

सुनियोजित एवं जनोन्मुखी विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

आरडीए के नए उपाध्यक्ष बने डॉ. जय प्रकाश शर्मा, संभाला पदभार

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के नवनियुक्त उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने सोमवार को प्राधिकरण कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री चौधरी ने डॉ. शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रायपुर के सुनियोजित और समग्र विकास में आरडीए की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। आरडीए अध्यक्ष नंद कुमार साहू ने कहा कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक एवं सामाजिक अनुभव का लाभ प्राधिकरण को मिलेगा। उनके नेतृत्व में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा और जनहित के कार्यों में तेजी आएगी। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप आरडीए की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितैषी बनाया जाएगा। उन्होंने शहर के सुनियोजित विकास, आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

समारोह में ये रहे उपस्थित

समारोह में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष राम प्रताप सिंह, आरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अवनीश शरण सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सोने में 700 रुपए की गिरावट और चांदी 8,900 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 700 रुपये गिरकर 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि कमजोर मांग के कारण घरेलू सराफा बाजार में चांदी 8,900 रुपये प्रति किलो टूट गई। घरेलू सराफा बाजार में मांग कमजोर रहने से कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये कमजोर होकर 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) पर आ गया। यह पिछले कारोबारी सत्र में 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने के मुकाबले चांदी में और भी तेज गिरावट दर्ज की गई। इसकी कीमत 8,900 रुपये लुढ़ककर 2,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। इससे पहले सोमवार को चांदी 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कीमतें अपेक्षाकृत मजबूत रहने के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं की सुस्त मांग के चलते बाजार पर दबाव बना रहा।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् खरसिया जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/518/न.पा.प./लो.नि.वि/2026-27 खरसिया, दिनांक 14-07-26

रूची की अभिव्यक्ति सूचना (EOI)

नगर पालिका परिषद् खीरसिया क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 18 स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में (स्वीमिंग पुल, इनडोर गेम्स, जिम, बाक्स क्रिकेट, कैन्टीन, पार्किंग, बॉलीवाल, बास्केटबाल एवं अन्य) का नियमित रूप से रख रखाव के साथ-साथ संचालन हेतु नगर पालिका परिषद् खरसिया की निर्धारित किरायेदारी आबंटन शर्तों के तहत 01 वर्ष की किरायेदारी पर उपलब्ध कराने हेतु राशि रू. 2000000.00 (बीस लाख रूपये) वार्षिक किराया राशि पर उच्चतम बोली किराये की रूचि की अभिव्यक्ति बंद लिफाफें में राशि 500 रु. प्रस्तुतीकरण शुल्क के साथ नगर पालिका परिषद खरसिया में कार्यालयीन समय पर दिनांक 31/07/26 समय दोपहर 3:00 PM बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं, प्राप्त रूचि की अभिव्यक्ति दिनांक 31/07/26 समय शाम 4:00 बजे खोले जायेंगे।

क्र.	कार्य का विवरण	न्यूनतम ऑफर राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि एफ.डी.आर./ टी.डी.आर. के रूप में
1	वार्ड क्रमांक 18 स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में (स्वीमिंग पुल, इनडोर गेम्स, जिम, बाक्स क्रिकेट, कैन्टीन, पार्किंग, बॉलीवाल, बास्केटबाल एवं अन्य) का संचालन कार्य।	20.00	50000.00

उपरोक्त कार्य की ऑफर की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत ऑफर विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद खरसिया

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited

(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
(ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur(C.G.)- 492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Reg No. 22AABCM6288N5ZY
Phone: 0771-6621000 Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address csidc.cg@nic.in,csidc_raipur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER (2nd Call)
(e-Procurement Portal)

NIT No. 10/CSIDC/E.E./Div-IV/2026-27/System No. 195388 Raipur, Dated 14/07/2026

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites online tender in "Form-B" (Item Rate Basis) for the following works:-

S. No	Name of Work	Registered Contractor in CGPWD or in appropriate class in other dep't.	Time allowed including rainy season	P.A.C. (INR Lacs)	EMD (INR Rs.)	Cost of Tender Doc. (INR) including GST 18%
1	B.T. Renewal Work, Construction of R.C.C. Open Drain, R.C.C. Slab Culvert & Hume Pipe Culvert at Light Industrial Area, Bhilai Distt. Durg (C.G.)	B & Above	10 Months i/c Rainy Season	927.62 Lacs	4,64,000/-	3540/-

The tender document containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in from 14/07/2026 and Time 17:01 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

NOTE:- The interested tenderers for online submission of tender may contact CG eProc Helpdesk. Operated by Mjunction Services Limited., they may reach Helpdesk using 18002582502 (from 9 AM to 11 PM) (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk.eproc@cgswan.gov.in.

S-48450/1 कार्यालय एवं दुकान हेतु स्थान उपलब्ध, वेबसाईट देखें www.csidc.in **Executive Engineer, Division-IV**

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला - जाजंगीर-चाम्पा (छ. ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
e Procurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 30-07-2026 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
195256	07/व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक 13.07.2026	जांजगीर-चाम्पा जिले के जैजैपुर विकास खण्ड के हसदेव बांगो परियोजना के अंतर्गत चांपा शाखा नहर के हसौद वितरक नहर के आर. डी. 0.00 मी. से 10200 मी. के अंतर्गत नहर में मिट्टी कार्य, सी.सी. लाईनिंग, स्ट्रक्चर्स के (Remodeling and Renovation) नवीनीकरण एवं पुर्ननिर्माण कार्य ।	419.88	द्वितीय आमंत्रण
195259	08/व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक 13.07.2026	जांजगीर-चाम्पा जिले के जैजैपुर विकास खण्ड के हसदेव बांगो परियोजना के अंतर्गत चांपा शाखा नहर के हसौद वितरक नहर के आर. डी. 10200 मी. से 14610 मी. के अंतर्गत नहर में मिट्टी कार्य, सी.सी. लाईनिंग, स्ट्रक्चर्स के (Remodeling and Renovation) नवीनीकरण एवं पुर्ननिर्माण कार्य ।	355.89	द्वितीय आमंत्रण
195260	09/व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक 13.07.2026	जांजगीर-चाम्पा जिले के जैजैपुर विकास खण्ड के हसदेव बांगो परियोजना के अंतर्गत चांपा शाखा नहर के हसौद वितरक नहर के आर. डी. 14610 मी. से 20800 मी. के अंतर्गत नहर में मिट्टी कार्य, सी.सी. लाईनिंग, स्ट्रक्चर्स के (Remodeling and Renovation) नवीनीकरण एवं पुर्ननिर्माण कार्य ।	352.74	द्वितीय आमंत्रण

(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 एवं संशोधित दिनांक 23.04.2026 के आधार पर) अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक 20-07-2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोटः (1) निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट **https://eproc.cgstate.gov.in** में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

G-262702107/5

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला- जांजगीर-चाम्पा (छ. ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना सर्वेक्षण संभाग रायगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्रमांक 01

निविदा सूचना क्रमांक 03 / व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक 03.07.2026 निविदा सिस्टम नम्बर 194617 (प्रथम आमंत्रण) जी नम्बर—262701925, निविदा सूचना क्रमांक 04 / व. ले.लि. / 2026-27 दिनांक 03.07.2026 निविदा सिस्टम नम्बर 194644 (प्रथम आमंत्रण) जी नम्बर-262701925, निविदा सूचना क्रमांक 05/व.ले.लि./2026-27 दिनांक 03.07.2026 निविदा सिस्टम नम्बर 194646 (प्रथम आमंत्रण) जी नम्बर 262701925 एवं निविदा सूचना क्रमांक 06/व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक 03.07.2026 निविदा सिस्टम नम्बर 194647 (प्रथम आमंत्रण) जी नम्बर-262701925 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :-

S. No.	Particulars	Date	Time
1.	**Bid Start date & time** (The date and time from which bidders start preparation /submission of their bid response, before this bidder's action will not be allowed.)	22-07-2026	17:31
2.	**Bid Due date & time** (The last date & time for submission of bid response, after which no bids can be submitted.)	05-08-2026	17:30
3.	**Bid Open, Start date & time** (The date of opening of Envelope - A & B online)	06-08-2026	11:30

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

G-262702102/4

कार्यपालन अभियंता
केलो परियोजना सर्वेक्षण संभाग रायगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

सोने में 700 रुपए की गिरावट और चांदी 8,900 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 700 रुपये गिरकर 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि कमजोर मांग के कारण घरेलू सराफा बाजार में चांदी 8,900 रुपये प्रति किलो टूट गई। घरेलू सराफा बाजार में मांग कमजोर रहने से कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये कमजोर होकर 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) पर आ गया। यह पिछले कारोबारी सत्र में 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने के मुकाबले चांदी में और भी तेज गिरावट दर्ज की गई। इसकी कीमत 8,900 रुपये लुढ़ककर 2,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई।

उच्चतम न्यायालय में कोटक एएमसी की अपील खारिज

kotak.biz

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बाजार नियामक सेबी द्वारा कोटक महिंद्रा एएमसी, कोटक महिंद्रा ट्रस्टी कंपनी और उनके वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को बरकरार रखते हुए कहा कि प्रतिभूति नियमों का पालन अनिवार्य है, चाहे निवेशकों को लाभ हुआ हो या हानि। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कोटक एएमसी, कोटक ट्रस्टी और छह अधिकारियों की अपील खारिज कर दी। इन अपीलों में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें सेबी के निष्कर्षों को सही ठहराया गया था।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- कंप्यूटर व कॉमर्स ग्रुप हेतु अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षक की आवश्यकता है वेतन 8 से 15 हजार अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क MIG 1068 के सामने वीर शावरकर नगर हीरापुर रायपुर ज्ञान भारती हा. से. स्कूल मोबाइल-8319496635.(आरो-890)

आवश्यकता है- लेडी प्रिंसीपल, वाईस प्रिंसीपल एवं एकाउंट, मैथ्स, मैनेजमेंट इको, एसएसटी, इंग्लिश पढ़ाने हेतु, डांस, म्यूजीक, स्पोर्ट्स शिक्षक/ शिक्षिकाओं की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 15.07.2026 प्रातः 9:30 बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई, 9826198065, 0771-2252855.(आरो-097)

दुकान कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- PVC पाइप दुकान में काम करने हेतु लड़के चाहिए 06, Tata Ace ड्राइवर 02 पता- आर.बी.पाटीदार एंड कंपनी नर्सिंग मील कम्पाऊन्ड प्लेट फार्म नंबर- 7 के पास गुढ़ियारी रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर-8435904413.(आरो-889)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। पता:- रेमंड शोरूम के पीछे पंडरी रायपुर मों.:-89599-61875.(आरो-888)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ति में पैकिंग कार्य के लिये लेडिस व लोडिंग अनलोडिंग के लये पुरूष कि आवश्यकता है संपर्क जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मों नं. - 74699-80000, 0771-4075490.(आरो-883)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- नर्सिंग स्टाफ (GNM/ ANM/ अनुभवी) पैरामेडिकल OT टेक्नीशियन, रिसेप्शनिस्ट नाइट आया बाई, गार्ड - कैलाश कान्ता हॉस्पिटल जोरा रायपुर- 9300734153, 0771-2994153. अनुभवी को प्राथमिकता, उचित वेतन (आरो-283)

ऑफिस बॉय/आया

आवश्यकता है- ऑफिस हेतु 10वीं पास ऑफिस बॉय एवं घर में घरेलु नौकर और बच्चे के लिए आया की आवश्यकता है संपर्क करें- बेलकेम 16/5 दिक्षित कॉलोनी कोसानगर भिलाई मो.-94062-41383, 73890-10383 (आरो न.-315)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड के प्रोडक्ट हेतु 6 सर्विस टेक्नीशियन चाहिए। अनुभव आवश्यक नहीं है सम्पर्क करें- जेजेएल सर्विसेज पवन विहार आरसी ब्लड बैंक, न्यू राजेन्द्र थाना के सामने, रायपुर 9755960687. (आरो-41402)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ऑपरेटर/इंचार्ज

Wanted- Computer Operators & Dispatch Incharge- 5-6 years' experience, SAP/ Oracle ERP knowledge preferred, Experience in vehicle dispatch and labour management (for Dispatch Incharge), Preference to candidates with C&F experience in the Pesticide/Fertilizer industry, Good computer skills and a responsible attitude. Send your resume on 8700749996, Location: Ring Road No. 2, Gondwara, Raipur.(आरो-902)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- मार्केटिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता वेतन -12000 + इंसेंटिव ऑफिस का पता - शंकर नगर, चौपाटी हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स, 414,415 चौथी मंजिल, रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681, 7869745488. (आरो-185)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक स्टेशन रोड रायपुर मो. 8109135400, 9179380728. (आरो-896)

क्लासीफाईड

चपरासी

आवश्यकता है- जेल रोड रायपुर में ऑफिस कार्यों के लिए ऑफिस बॉय (चपरासी) की आवश्यकता है। बीड़ी, सिगरेट व शराब गुटखा आदि का सेवन न करने वाले ही संपर्क करें। संपर्कः 8839812454.(आरो-106)

ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता- स्कूल बस चालक/ मैजिक चालक- 5 पद, परिचालक - 5 पद, सुरक्षागार्ड- 05 पद, आया मदर -8 पद, संपर्क करे- मो. नं. 7389358588, 7805015500, पता- 01, सुंदर नगर रायपुर (आरो-ghos)

आवश्यकता

आवश्यकता है- कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। रामनगर, गुढ़ियारी के निवासी को प्राथमिकता दी जाएगी, कार्य का समय सुबह 11:30 से शाम 6:30 तक वेतन 400/- प्रतिदिन संपर्क- 6260088185.(आरो-105)

ऑफिस कार्य

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 9630922589, 9893029618.(आरो-530)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515.(आरो न.-4157)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - निशुल्क छत्तीसगढ़िया ज्योतिष- विचार, देखाइया "बईगा" चमत्कारी काली माई की शक्ति से आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, साब्बो समस्या के समाधान बर एक बेर जरूर मिलव मों:-8461886239.(आरो- 886)

Property प्रापर्टी

बेचना है- रायपुर - आई. ए. एस. कॉलोनी, धरमपुरा स्थित प्लॉट नंबर 194, 4454 वर्गफुट आवासीय फ्रीहोल्ड भूमि पूर्व एवं पश्चिम मुखी बेचना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें। 9301004560.(आरो-887)

हरिभूमि

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विनायिका फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूहलोन, पर्सनल, लेबरकार्ड, डेयरीफार्म, होमलोन, आधारकार्ड पर 40000 से 50 लाख तक (2 प्रतिशत ब्याज), (30 प्रतिशत छूट). संपर्क करें- 7489545029.(आरो-4401)

फाइनेंस - रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर - (50,000/- से 25 लाख तक)(1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिज़नेस, दुकानदारी, ग्रुपलोन, सिविल ख़राब लोन पाए, संपर्क - 8882627857.(आरो-4402))

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से दी करारी शिकस्त, अक्षर ने बॉलिंग के बाद बल्लेबाजी में दिखाया कमाल

भारत ने खोला ब्रिटेन दौरे पर जीत का खाता, बनाई बढ़त

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन मैदान पर अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए 80 रन की आकर्षक पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 3 मैचों की श्रृंखला में पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर इस दौरे की पहली जीत दर्ज की। हरफनमौला अक्षर पटेल ने भी बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले 4 विकेट लेकर इंग्लैंड को 258 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई और फिर 52 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाकर लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके साथ वाशिंगटन सुंदर ने भी नाबाद 52 रन बनाए। भारत ने ब्रिटेन दौरे पर जीत का खाता खोला। इससे पहले टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं में हार का सामना करना पड़ा था।

अक्षर और वाशिंगटन ने की 102 रन की साझेदारी

जीत के लिए 259 रन का पीछा करते हुए भारत ने 45.2 ओवर में 4 विकेट पर 262 रन बनाकर मुकाबला अपने कनाम किया। एक समय टीम का स्कोर 160 रन पर 4 विकेट था, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर और वाशिंगटन ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन की साझेदारी कर भारत को आसान जीत दिला दी। गिल शानदार लय में दिखे और 75 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके तथा एक छक्का लगाया। शतक के करीब पहुंचने से पहले उन्हें पिंडली और मांसपेशियों में ऐंठन के कारण वह रिटायर हर्ट हो गए।

गिल ने खेली कप्तानी पारी, रो-को की फीकी वापसी

रो-को हुए सस्ते में आउट

इस जीत के साथ गिल ने रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) के सस्ते में आउट होने के बाद 48 रन पर दो विकेट गंवा चुके भारत के लिए जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

रूट और डॉसन की शानदार पारी

टॉस जीत कर बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद इंग्लैंड का स्कोर 13वें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 61 रन था। इसके बाद उसने 22वें ओवर तक छह विकेट 107 रन पर गंवा दिए और लग रहा था कि मेजबान टीम 150 रन भी नहीं बना सकेगी। रूट ने हालांकि 76 गेंद में 76 और डॉसन ने 83 गेंद में 68 रन की पारी खेलकर टीम को संकट से निकाला।

गिल और गुरनूर को छोड़ना पड़ा मैदान

इंग्लैंड के खिलाफ़ पहले वनडे मैच में शुभमन गिल और गुरनूर को बीच मैच मैदान छोड़ना पड़ा। इंग्लैंड में अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहे गुरनूर ने पारी के दौरान शानदार गेंदबाजी की।दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को 48वें ओवर में अपने रन-अप के आखिर में परेशानी महसूस हुई। वह आगे खेल जारी नहीं रख सके और मैदान से बाहर चले गए। शुभमन गिल बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए। गिल को चोट के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। पारी के 26वें ओवर के दौरान वह ठीक से खड़े नहीं हो पाए और अपने दाहिने पैर के पिछले हिस्से को पकड़कर पिच पर ही लेट गए।

स्कोर बोर्ड

भारत पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित का ब्रुक बो कुरन	11	21	1	0
गिल रिटायर हर्ट	80	75	11	1
कोहली पगबाधा आर्चर	05	6	1	0
अय्यर रन आउट	35	53	2	0
वाशिंगटन नाबाद	52	63	4	1
राहुल बो टंग	01	03	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	57	52	5	1

अतिरिक्त: 20, कुल योग: 45.2 ओवर में 262/4 रन
गेंदबाजी: आर्चर 10-0-60-1, टंग 10-0-50-1, कुरन 10-0-55-1, राशीद 5.2-0-34-0, बेथल 1-0-10-0, डॉसन 2-0-10-0, जैक्स 7-0-43-0

इंग्लैंड पारी	रन	गेंद	4	6
डकेट का बुमराह बो बरार	43	45	6	2
बेथेल का वॉशिंगटन बो बरार	14	31	1	0
रूट नाबाद	76	76	6	1
ब्रूक का शर्मा बो बुमराह	01	03	0	0
बटलर का बरार बो प्रसिद्ध	05	14	0	0
कुरेन का राहुल बो प्रसिद्ध	00	03	0	0
विल जैक्स का राहुल बो दुबे	20	19	3	0
डॉसन का शर्मा बो पटेल	68	83	6	1
आर्चर का वॉशिंगटन बो अक्षर	12	06	1	1
रशीद स्ट राहुल बो अक्षर	01	05	0	0
जोश टंग बो अक्षर	00	02	0	0

अतिरिक्त : 18 रन, योग : 47.5 ओवर में 258 रन
गेंदबाजी : बुमराह 9-0-31-1, प्रसिद्ध 10-2-50-2, बरार 9-0-61-2, दुबे 6-0-27-1, वॉशिंगटन 4-0-13-0, अक्षर 9.5-0-62-4

968 दिन का बाद बुमराह का 'कमाल कमबैक'

वनडे में चटकाए 150 विकेट

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है।

सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

मोहम्मद शमी	: 80वां मैच
कुलदीप यादव	: 88वां मैच
जसप्रीत बुमराह	: 90वां मैच
अजीत अगरकर	: 97वां मैच
जहीर खान	: 103वां मैच

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय

31 विकेट	: जसप्रीत बुमराह*
30 विकेट	: रविंद्र जडेजा
28 विकेट	: भुवनेश्वर कुमार
27 विकेट	: मदन लाल
26 विकेट	: मोहम्मद शमी

खबर संक्षेप

स्क्वाश पीएसए चैलेंजर से सान्या वत्स बाहर

चेन्नई। भारत की चौथी वरीयता प्राप्त सान्या वत्स एचसीएल स्क्वाश पीएसए चैलेंजर टूर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मिस्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त रुकाइया ओथमान से हार गई। इंडियन स्क्वाश अकादमी में खेले गए मैच में वत्स को मिस्र की खिलाड़ी से 4-11, 2-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य सेमीफाइनल में कोरिया की ह्वायेओंग ईम ने मिस्र की हाना अलादीन को 11-9, 9-11, 2-11, 11-4, 11-6 से हराया।

जूडो महासंघ को मिली सशर्त मान्यता

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा। जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे।

21 साल बाद अर्जेंटीना और इंग्लैंड में भिड़ंत

सेमीफाइनल में आज मेस्सी और केन होंगे आमने-सामने

अटलांटा। अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की बहुचर्चित प्रतिद्वंद्विता बुधवार को जब विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में फिर से जीवंत होगी तो सबकी नजर इस पर टिकी रहेगी कि इसमें लियोनेल मेस्सी के पांवों का जादू चलेगा या हैरी केन का करिश्मा। मेस्सी ने अब तक मौजूदा टूर्नामेंट में 8 गोल करके अर्जेंटीना की जीत में अहम भूमिका निभाई है तो केन भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं है, जिन्होंने छह गोल दागे हैं। यह दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार आमने-सामने होंगे क्योंकि दोनों टीम के बीच 2005 के बाद कोई मुकाबला नहीं हुआ है।

मिडफील्ड में होगा रोमांचक मुकाबला

इस मैच में मिडफील्ड में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इंग्लैंड को अपना पूरा ध्यान मेस्सी पर लगाने से बचना होगा, जो एंज़ो फर्नांडीज और एलेक्सिस मैक एलिस्टर के साथ मिलकर इंग्लैंड की रक्षात्मक पंक्ति को भेदने और उनके आक्रामक डिफेंस के पीछे मौजूद खाली जगह का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल की रणनीति रक्षात्मक चूक को कम करने को प्राथमिकता देनी होगी।

77 रन पर ढेर पूरी टीम, 6 ओवर में खत्म हो गया टी20 मुकाबला

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में एक बेहद एकतरफा और हैरान करने वाला मैच देखने को मिला। इस मुकाबले में बेल्जियम ने हंगरी के खिलाफ 10 विकेट से एकतरफा और धमाकेदार जीत दर्ज की। हंगरी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 77 रनों पर ढेर हो गई, जिसके बाद बेल्जियम ने महज 6 ओवरों में ही बिना कोई विकेट खोए टारगेट हासिल कर लिया।

बेल्जियम ने हंगरी को 10 विकेट से हराया

हंगरी की बैटिंग फेल

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हंगरी की शुरुआत बेहद खराब रही। बेल्जियम के घातक गेंदबाजी आक्रमण के सामने हंगरी का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। टीम की तरफ से जाहिर सफी मोहम्मद ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों में 20 रन बनाए। उनके अलावा मोहम्मद माज भाईजी ने 11 और कप्तान विनोद रविंद्रन ने 10 रनों का योगदान दिया। इन तीनों के अलावा टीम का कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सका और पूरी टीम 19.3 ओवरों में 77 रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

सिंधू ने मलेशिया की चिंग को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

सिंधू ने सीधे गेम में मारी बाजी, कोर्ट से हटी स्टार जोड़ी

एजेंसी ▶▶| टोकियो

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे की समस्या के कारण उन्हें और चिराग शेट्टी को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मैच के बीच से हटना पड़ा जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। सात्विक और चिराग की विश्व में चौथे नंबर की जोड़ी ने सिंगापुर ओपन जीतकर दो साल से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया था। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया ओपन में भाग नहीं लिया था। जापान ओपन में उन्होंने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड से पहला गेम 19-21 से हारने के बाद हटने का फैसला किया।

कपिला और तनीशा की दूसरे दौर में एंट्री

भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी अपने मिश्रित युगल मुकाबले में स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे पहले ही दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 11-21, 10-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

pnb | पंजाब नैशनल बैंक
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 04.08.2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तीयों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति	आरक्षित मूल्य / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपति के लिये
1	उधारकर्ता - मेसर्स जैनम क्लॉथिंग प्राइवेट लिमिटेड, निदेशको -1) श्री महेंद्र मोतीलाल कोचर, 2) श्री अभय मोतीलाल कोचर, जमानतदारो: 1) श्री महेंद्र मोतीलाल कोचर, 2) श्री अभय कुमारमोतीलाल कोचर,3) श्री प्रियांशु महेंद्र कोचर, 4) श्री मोतीलाल सोहनलाल कोचर,5) श्री हीरालाल जैन (कोचर), शाखा - स्टेशन रोड,रायपुर- 106600, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री पवन कश्यप, 9770780508	मकान - नगर निगम मकान नंबर 22/317, क्षेत्रफल - 1033 वर्गफुट, वार्ड नं 22, जयस्तंभ चौक से सिटी कोतवाली चौक, मालवीय रोड, बैजनाथपारा,रायपुर - 492001,मालिकाना हक - श्री हीरा लाल कोचर। भौगोलिक निर्देशांक - 21.238774, 81.637274	1) 20-06-2020 2) रू 2,50,81,376.22 + दिनांक 20-06-2020 से ब्याज प्रभावी 3) 22-05-25 को भौतिक कब्जा	रू 90.90 लाख / रू 9.09 लाख
2	उधारकर्ता- चौधरी बरदाना, श्री शुभम चौधरी पिता श्री रामबाबू चौधरी, शाखा- स्टेशन रोड, रायपुर-106600, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्रीमती दुर्गावती कुमारी, 7632986606	खसरा नं 219/2, प.ह. नं 101, मौजा- उरला बीरगांव, गुरुघासीदास वार्ड नं 20, आरएनएम धरसीवा-1, तहसील / जिला रायपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 12270.86 वर्गफुट/0.114 हेक्टेयर पर स्थित अचल संपत्ति का समस्त भाग एवं अंश, मालिक- श्री शुभम चौधरी, सीमाएं- उत्तर: ईश्वर की भूमि, दक्षिण: रामाधार की भूमि, पूर्व: पप्पू की भूमि, पश्चिम: सेवेज लाइन. भौगोलिक निर्देशांक:21.318694,81.606488 *नोट: एस.ए. क्रमांक 1111/2023 संपत्ति के संबंध में लंबित हैं।	1) 12-05-2021 2) रू 1,90,81,900.00 + दिनांक 31-03-2021 से ब्याज प्रभावी 3) 01-11-21 को सांकेतिक कब्जा	रू 42.76 लाख / रू 4.27 लाख
3	उधारकर्ता: मेसर्स डी ए इंटरप्राइजेज, प्रो.- श्री धीरज जादवानी, शाखा- स्टेशन रोड 106600, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	कार्यालय नं -1) कार्यालय संख्या 221, खसरा नं 439/1 (भाग), क्षेत्रफल 300 वर्गफुट, लाल गंगा मेंशन, वार्ड संख्या 37, जवाहर नगर, आरएनएम- रायपुर, रायपुर, तहसील एवं जिला रायपुर पर स्थित संपत्ति. सीमाएं :- उत्तर-कोरिडोर, दक्षिण -रोड , पूर्व - कार्यालय संख्या -222, पश्चिम - कार्यालय संख्या 220, भौगोलिक निर्देशांक - 21.247357, 81.634051	1) 25-11-2021 2) रू 47,57,449.00 + दिनांक 01-11-2021 से ब्याज प्रभावी 3) 30-08-22 को सांकेतिक कब्जा	रू 14.54 लाख / रू 1.45 लाख
	कार्यालय नं -2) कार्यालय संख्या 18, खसरा नं 439 (भाग), क्षेत्र 205 वर्गफुट, लाल गंगा मेंशन, वार्ड संख्या 37, जवाहर नगर, रायपुर आरएनएम - रायपुर, तहसील एवं जिला रायपुर. सीमाएं :- उत्तर - कार्यालय नंबर 19, दक्षिण- कार्यालय नंबर -17, पूर्व-पैसेज, पश्चिम - आसमान की ओर खुला, भौगोलिक निर्देशांक - 21.247357, 81.634051 *नोट: एस.ए. क्रमांक 704/2023 एवं एम.ए. क्रमांक 52/2025 दोनों संपत्तियों के संबंध में लंबित हैं।			रू 11.50 लाख / रू 1.15 लाख
4	उधारकर्ता: श्री मनीष कुमार देवांगन पिता श्री उत्तम कुमार देवांगन, सह-उधारकर्ता: श्रीमती रजनी देवांगन पति श्री मनीष देवांगन, शाखा - रायपुर, अनुपम नगर(296600), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	आवासीय भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर 652/5 (पुराना खसरा नंबर 652/2), ग्राम- रायपुरा, फेस-2, "बंछोर एस्टेट" सत्यम विहार, माधव राव सप्रे, वार्ड नं 68, प.ह नंबर 104/57, आरआईसी- रायपुर, रायपुरा, जिला- रायपुर (छ. ग) पिन- 492001, क्षेत्रफल: 800 वर्ग फीट, मालिकाना हक - श्री मनीष कुमार देवांगन पिता श्री उत्तम कुमार देवांगन। सीमाएं- उत्तर: निकिता पंजाबी का घर, दक्षिण: (विक्रेता) अश्वनी बंछोर का मकान, पूर्व: सड़क, पश्चिम: बिसेन जी का मकान; भौगोलिक निर्देशांक: 21.223752, 81.599690	1) 01-03-2024 2) रू 27,67,530.20 + दिनांक 01-03-2014 से ब्याज प्रभावी 3) 19-07-24 को सांकेतिक कब्जा	रू 29.22 लाख / रू 2.92 लाख
5	उधारकर्ता: श्री सुरेश सिंह ठाकुर पिता ईश्वर सिंह ठाकुर,सह-उधारकर्ता: श्रीमती संध्या सिंह ठाकुर पति श्री सुरेश सिंह ठाकुर, शाखा-अनुपम नगर, रायपुर (296600), संपर्क :वसूली अधिकारी- श्री धनंजय कुमार, 9729791068	आवासीय फ्लैट: फ्लैट नं. 23, छठी मंजिल, गोल्डन पार्क अपार्टमेंट, वीआईपी एस्टेट, शंकर नगर (खम्हारडीह), प.ह.नं. 110, वार्ड क्रमांक 27, आरएनएम रायपुर-1, रायपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल: 716 वर्गफीट निर्मित क्षेत्र पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक: श्रीमती संध्या सिंह ठाकुर पति श्री सुरेश सिंह ठाकुर. सीमाएं:उत्तर- फ्लैट नं 24दक्षिण- आसमान की ओर खुला,पूर्व-फ्लैट नं 22, पश्चिम- आसमान की ओर खुला . भौगोलिक निर्देशांक: 21.263124, 81.676064	1) 13-08-2021 2) रू 37,22,706.16 + दिनांक 05-08-2021 से ब्याज प्रभावी 3) 17-11-21 को सांकेतिक कब्जा	रू 26.80 लाख / रू 2.68 लाख
6	उधारकर्ता - मेसर्स गोदावरी कॉर्पोरेशन, प्रोप. - श्रीमती सोनल वरु पति श्री शरद वरु, शाखा - तेलीबांधा, रायपुर (611400), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	फ्लैट - फ्लैट तीन मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित,प्लॉट नं 44/15 (भाग), क्षेत्रफल - 1000 वर्गफुट, खसरा नं 19, 25-26/1 (भाग), शीट नं 13, जलाराम डेयरी रोड, पीली बिल्डिंग के पीछे,एसबीआई के सामने, रमन मंदिर वार्ड - 27, फाफाडीह, रायपुर (छ. ग)। सीमाएँ: उत्तर - इंद्रा बहन का मकान, दक्षिण- 15 फीट चौड़ी सड़क, पूर्व- लालजी भाई पटेल का मकान, पश्चिम- 15 फीट चौड़ी सड़क भौगोलिक निर्देशांक - 21.264534,81.642162	1) 29-02-2020 2) रू 54,30,020.00 + दिनांक 31-01-2020 से ब्याज प्रभावी 3) 17-08-20 को सांकेतिक कब्जा	रू 22.95 लाख / रू 2.29 लाख
7	उधारकर्ता: श्री सुदीप सेन पिता स्व. सत्येन्द्र नाथ सेन, सह-उधारकर्ता: श्रीमती मीता सेन पति श्री सुदीप सेन, शाखा- रायपुर, अनुपम नगर (296600), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री धनंजय कुमार, 9729791068	आवासीय मकान - खसरा नंबर 250 का भाग, प्लॉट नंबर 55/2, गली नंबर 53,पंडरितराई, गोरखा कॉलोनी, शंकर नगर, वार्ड नंबर 31, प.ह नंबर 109/47, तहसील एवं जिला-रायपुर (छ.ग), पिन 492001 में क्षेत्रफल - 1100 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती मीता सेन पति श्री सुदीप सेन एवं श्री सुदीप सेन पिता स्वर्गीय सत्येन्द्र नाथ सेन। सीमाएँ- उत्तर: प्लॉट नं 55/1, दक्षिण: श्रीवास्तव की भूमि, पूर्व: सड़क, पश्चिम: बिसेन की भूमि. भौगोलिक निर्देशांक: 21.253670, 81.657459	1) 09-07-2024 2) रू 55,50,257.92 + दिनांक 30.06.2024 से ब्याज प्रभावी 3) 25.09.24 को सांकेतिक कब्जा	रू 56.40 लाख / रू 5.64 लाख
8	उधारकर्ता- श्री खुशाल भाई वरू पिता स्व. जेठा भाई वरू, श्रीमती प्रेमिला बेन वरू पति श्री खुशाल भाई वरू, चेतन कुमार वरू पिता श्री खुशाल भाई वरू शाखा- अनुपम नगर (296600), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री पवन कश्यप, 9770780508	आवासीय फ़्लैट नंबर 21, छठी मंज़िल, खसरा नंबर 1122/6, 1123/3 (भाग), प.ह नंबर 110/46, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड नंबर 27, गोल्डन पार्क, शंकर नगर, तहसील एवं ज़िला - रायपुर (छ.ग) - 492014, क्षेत्रफल - 716 वर्ग फ़ीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक : श्री खुशाल भाई वारू एवं श्रीमती प्रमिला बेन वारू। भौगोलिक निर्देशांक : 21.15470, 81.40340. *नोट: संख्या क्रमांक 8 एवं 9 की दोनों संपत्ति संयुक्त रूप से साथ में बेची जाएगी।	1) 17-10-2025 2) रू 26,75,231.14 + ब्याज एवं खर्चे प्रभावी 3) 07.01.26 को सांकेतिक कब्जा	रू 26.58 लाख / रू 2.65 लाख
9	उधारकर्ता- श्री खुशाल भाई वरू पिता स्वर्गीय जेठा भाई वरू, श्री जतिन कुमार वरू पिता श्री खुशाल भाई वरू, श्री तापस वरू पिता श्री खुशाल भाई वरू, चेतन कुमार वरू पिता श्री खुशाल भाई वरू. शाखा- अनुपम नगर (296600), संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री पवन कश्यप, 9770780508	आवासीय फ़्लैट नंबर 22, छठी मंज़िल, खसरा नंबर 1122/6, 1123/3 (भाग), प.ह नंबर 110/46, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड नंबर 27, गोल्डन पार्क, शंकर नगर, तहसील एवं ज़िला - रायपुर (छ.ग) - 492014, क्षेत्रफल - 1000 वर्ग फ़ीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक : श्री खुशाल भाई वारू एवं श्रीमती प्रमिला बेन वारू। भौगोलिक निर्देशांक : 21.15470, 81.40340. *नोट: संख्या क्रमांक 8 एवं 9 की दोनों संपत्ति संयुक्त रूप से साथ में बेची जाएगी।	1) 17-10-2025 2) रू 29,04,377.22 + ब्याज एवं खर्चे प्रभावी 3) 07.01.26 को सांकेतिक कब्जा	रू 27.20 लाख / रू 2.72 लाख

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री रघुबंश नारायण सिंह- 8789388472 - एआरएमबी, रायपुर, दूरभाष क्र. - 0771-2210433/35

नोट:- 1) कृपया अमानत राशि जमा करने से पूर्व प्रॉपर्टी से जुड़े सभी दस्तावेजों की पड़ताल सुनिश्चित करें
2) उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा

महत्वपूर्ण नोट:- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी. **2.** इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल **(https://baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमें 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को **संख्या क्र. 1 से 09 के लिए ई-नीलामी तिथि- 04/08/2026 व समय सुबह 11.00 बजे** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- **1.** संपत्तियों को **"जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है। **2.** यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। **3.** संपत्ति की बिक्री **संख्या क्र.1 से 09 के लिए ई-नीलामी तिथि- 04/08/2026 व समय सुबह 11.00 बजे** वेबसाइट **https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** एवं **www.pnbindia.in** देखें .इस नीलामी के अंग्रेजी में जानकारी के लिए Central Chronicle दिनांक 15.07.2026 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा.

नोट:- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बानाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांक: 15.07.2026, स्थान: रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

एक नई स्टडी ने भारत में अंगदान के क्षेत्र में छिपी सामाजिक असमानता को उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में अंगदान करने वालों में करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं।

अंगदान में आगे निकली महिलाएं मां और बीवी निभा रही फर्ज

नई दिल्ली। इनमें ज्यादातर मां और पत्नियां शामिल हैं, जो अपने बेटे या पति की जान बचाने के लिए अपना अंग दान कर रही हैं। वहीं, अंग प्राप्त करने वालों में भी करीब 80 प्रतिशत पुरुष हैं। यह आंकड़ा ना सिर्फ चिंताजनक है, बल्कि रिश्तों की गहराई और सामाजिक दबाव दोनों को दिखाता है।

महिलाएं अपने स्वास्थ्य को जोखिम में डालकर परिवार को बचाने का फर्ज निभा रही हैं। यह असमानता इसलिए नहीं है, क्योंकि महिलाओं को अंगों की जरूरत कम पड़ती है। बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारक इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

पुरुषों की भागीदारी कम क्यों?

स्टडी में सामने आया है कि पुरुष कम अंगदान करते हैं। कारणों में स्वस्थ रहने की प्राथमिकता, कॅरियर और कम जोखिम लेने की प्रवृत्ति शामिल है। हालांकि कुछ पुरुष भी दान करते हैं, लेकिन संख्या बहुत कम है। महिलाओं के लिए अंगदान (खासकर किडनी) बाद में स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। गर्भावस्था, हार्मोनल बदलाव और उम्र बढ़ने के साथ जटिलताएं बढ़ जाती हैं। फिर भी वे बिना सोचे परिवार के लिए आगे आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह असमानता सामाजिक अन्याय को दर्शाती है। हमें पुरुषों को भी जागरूक करना चाहिए कि दान एक सामाजिक जिम्मेदारी है।

महिलाएं क्यों आगे?

भारतीय समाज में महिलाओं को परंपरागत रूप से केयरगिवर (देखभाल करने वाली) की भूमिका दी गई है। परिवार के लिए सब कुछ त्याग देने की अपेक्षा उनसे की जाती है। बेटे के बीमार पड़ते ही मां सबसे पहले अपना अंग देने को तैयार हो जाती है। पति की बीमारी में पत्नी आर्थिक और भावनात्मक रूप से परिवार को संभालते हुए अंगदान का फैसला ले लेती है। कई बार फैसले लेने में पुरुष प्रधान परिवारों में महिलाओं पर दबाव बनाया जाता है। वहीं, कई परिवारों में पुरुष कमाने वाले सदस्य होते हैं, इसलिए उनकी जान बचाने को प्राथमिकता दी जाती है।

स्टडी के मुख्य आंकड़े

80%	डोनर महिलाएं: मां अपने बेटे के लिए, पत्नी पति के लिए किडनी, लीवर या अन्य अंग दान कर रही हैं।
80%	रिसीपिएंट पुरुष: पुरुषों को अधिकांश अंग मिल रहे हैं।

बेशकीमती है इस कीड़े की पॉटी, खाने के बाद बाहर निकलता है 24 कैरेट सोना!

बर्लिन। सुनने में अजीब लगता है, लेकिन विज्ञान इसे सच साबित कर रहा है। ये बैक्टेरिया खतरनाक और टॉक्सिक मेटल खाता है। इसके बाद इसकी बॉडी में ऐसे केमिकल रिएक्शन होते हैं, जिसकी वजह से जब ये पॉटी करता है तो वो मेटल सोने के शुद्ध रूप यानी चौबीस कैरेट गोल्ड के रूप में बाहर निकलता है। यह बैक्टीरिया भारी धातुओं जैसे कॉपर और गोल्ड से भरे माहौल में जीवित रहने की क्षमता रखता है। जब यह जहरीले मेटल के कंपाउंड का सामना करता है तो कोपा (सीओपीए) नाम के एंजाइम का इस्तेमाल करके उसे डिटॉक्सिफाई कर देता है। इसका नतीजा? छोटे-छोटे शुद्ध सोने के पार्टिकल्स। समय के साथ ये पार्टिकल्स क्लंप होकर दाने के आकार के सोने के टुकड़ों में बदल जाते हैं।

जापान होगा मालामाल, समुद्र की तलहटी में रिकॉर्ड तादाद में 'अदृश्य' सोने की खोज

टोक्यो। जापान के हाथ सोने का एक बड़ा भंडार लग सकता है। रिसर्चर्स ने जापान के दक्षिण-पूर्वी तट के पास समुद्र के नीचे मौजूद ज्वालामुखी क्रेटर पर ब्लैक स्मोकर चिमनी और हाइड्रोथर्मल टीले (माउंड) खोजे हैं, जो बड़ी मात्रा में सोना बना रहे हैं। ये हाइड्रोथर्मल वेंट ना केवल सोने के छोटे कण छोड़ रहे हैं, बल्कि अदृश्य सोना भी बना रहे हैं, जिसे नंगी आंखों या सामान्य माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता है। यह सोना समुद्र तल पर मौजूद पदार्थों के अंदर छिपा होता है। एक्सपर्ट इसे कमर्शियल अंडरवॉटर सोने की खदान बनाने के लिए एक बेहतरीन जगह मान रहे हैं। वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने बताया है कि पानी के नीचे मौजूद इस क्रेटर में छिपे सोने की मात्रा दुनियाभर में अब तक दर्ज की गई सबसे ज्यादा तादाद है।

वैज्ञानिकों ने स्पेस में खोज निकाली इंसानी डीएनए से जुड़ी खास शुगर

वॉशिंगटन। क्या ब्रह्मांड में हम अकेले हैं या पृथ्वी से अलावा भी कहीं जीवन मौजूद है? सदियों से इंसान इसी सवाल का जवाब खोजने में लगा हुआ है। अब वैज्ञानिकों को इसी सवाल के जवाब में एक ऐसी 'मीठी' कामयाबी हाथ लगी है, जिसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। ब्रह्मांड के रहस्यों को तलाश रहे वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में तारों के बीच मौजूद खाली जगह में एक खास तरह की शुगर की खोज की है। खास बात यह है कि यह वही शुगर है जो पृथ्वी पर रसबैरी और सेल्फ-टैनर में पाई जाती है। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना की एस्ट्रोफिजिस्ट एरिका हैमडेन के मुताबिक यह स्पेश में खोजी गई अब तक की सबसे जटिल शुगर में से एक है। हालांकि, यह शुगर सीधे तौर पर जीवन के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन

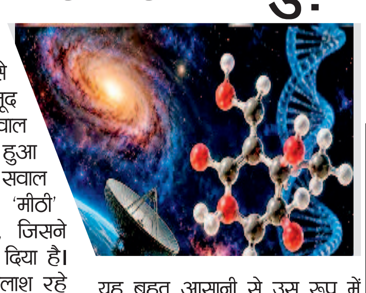

यह बहुत आसानी से उस रूप में बदल सकती है, जिसे पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस खोज से साइंस की दुनिया की इस पुरानी बहस को नया मोड़ मिल गया है कि धरती पर जीवन की शुरुआत कैसे हुई? क्या जीवन के जरूरी तत्व किसी उल्कापिंड या धूमकेतु के जरिए अंतरिक्ष से धरती पर पहुंचे थे, या फिर जब हमारा सौर मंडल बन रहा था, तब ये तत्व यहीं मौजूद थे? यह नई खोज इशारा करती है कि जीवन के लिए जरूरी सामग्रियां पहले से ही अंतरिक्ष के बादलों में तैर रही थीं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com